राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,31 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–280 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

## जीजा–साली के नाजायज संबंधों से जन्मी बच्ची को कूड़े के ढेर में फेंका,युवक गिरफ्तार

**क्रांति समय ,सूरत**

सूरत,शहर के पांडेसरा क्षेत्र में कूडे के ढेर से दो दिन पहले प्लास्टिक की थैली में लहू से लथपथ नवजात बच्ची मिली थी। एक राहगीर ने बच्ची को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया। दूसरी ओर पुलिस ने निर्दयी माता और बच्ची को फैंकने वाले युवक की पहचान कर ली है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बच्ची को जन्म देनेवाली युवती के अपने जीजा के साथ नाजायज संबंध थे। बिहार मूल निवासी 21 वर्षीय जीजा रजनीश के साथ नाजायज संबंधों से साली गर्भवती हो गई। जिसकी पोल खुलने के डर से रजनीश साली को लेकर सूरत के सचीन जीआईडीसी में अपने दोस्त के घर आ गया। अपनी साली की प्रसूति के लिए रजनीश उसे लेकर प्राइवेट अस्पताल गया। गर्भवती युवती के परिवार का ब्यौरा मांगने

पर रजनीश उसे लेकर वहां से निकल गया। रास्ते में युवती ने एक बच्ची को जन्म दिया। अपना पाप छिपाने के लिए नवजात बच्ची को प्लास्टिक की बैग में रखा और पांडेसरा क्षेत्र में एक कूडे के ढेर पर फैंक दिया। एक राहगीर ने कूडे के ढेर पर नवजात बच्ची को देख तुरंत एम्ब्युलैंस 108 को फोन कर दिया। एम्ब्युलैंस के जरिए नवजात बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। दूसरी ओर पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर बच्ची फैंकने वाले युवक की बाइक नंबर के आधार पर पहचान कर उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकर दी।

## भचाऊ घटना को सरकार गंभीर, पीड़ित व्यक्तियों को 21 लाख की सहायता मिलेगा : प्रदीपसिंह

**क्रांति समय ,सूरत**

कच्छ जिले के नेर गांव के मंदिर में दलित लोगों को

प्रवेश नहीं देने और उनके साथ मारपीट की घटना को सरकार गंभीरता से लिए कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। साथ ही ६ पीड़ितों को रु 21 लाख की सहायता देने का भी फैसला किया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीपसिंह परमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार राज्य में सामाजिक समरसता बरकरार रखने और कोई भी ऐसे अत्याचार का शिकार न हो इस प्रतिबद्धता के साथ कर्त्तव्यरत है। उन्होंने बताया कि दलित अत्याचार की घटना में जो 6 लोग घायल हुए हैं और उपचाराधीन हैं, उन्हें नियमानुसार रु 21 लाख की सहायता देने का सरकार ने फैसला किया है। कच्छ की घटना की खबर लगते ही मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने तत्काल जरूरी कार्यवाही करने और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया था। प्रदीपसिंह परमार ने बताया कि कच्छ जिला प्रशासन और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को न सिर्फ गिरफ्तार किया है, बल्कि एफआईआर भी दाखिल कर ली है।

## केन्द्रीय मंत्री अमित शाह आज केवडिया में एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे

**क्रांति समय ,सूरत**

केन्द्रीय मंत्री अमित शाह 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर केवडिया में आयोजित एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे। समारोह में शामिल होने के लिए अमित शाह आज देर रात वडोदरा पहुंचेंगे, जहां से सड़क के रास्ते केवडिया जाएंगे। केवडिया के सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। बता दें कि नर्मदा जिले के केवडिया में बनी दुनिया की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के 31 अक्टूबर 2018 के बाद से हर साल यहां एकता समारोह होता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होते हैं। लेकिन अबकी बार पीएम मोदी विदेश दौरे पर हैं, जिसकी वजह से इस साल केन्द्रीय मंत्री अमित शाह एकता समारोह में शामिल होंगे और एकता परेड की सलामी लेंगे। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। अमित शाह आज देर रात दिल्ली से सीधे वडोदरा एयरपोर्ट आएंगे और वहां से सड़क के रास्ते केवडिया पहुंचेंगे।

जहां सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे और सरदार पटेल की जयंती पर रविवार की सुबह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पुष्पाजंलि अर्पण करेंगे, जिसके बाद एकता दिवस समारोह में शामिल होंगे। एकता दिवस समारोह के बाद अमित शाह सीधे आणंद जाएंगे। आणंद में अमूल की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 75 इयर्स ऑफ मिल्क एन्ड प्रोगेस नामक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

1नवंबर को केन्द्रीय मंत्री गृह मंत्री अमित शाह बरवाला तहसील के कुंडल स्वामीनारायण सत्संग के 30वें शिबिर के उदघाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में बोलीवुड सिंगर दिलेर मेहंदी भी आएंगे। इस अवसर अमित शाह कुंडलधाम में 36 फूंट उंची भक्तेश्वर महादेवजी की मूर्ति की स्थापना करेंगे।

## भचाऊकी घटना को लेकर राजनीति गरमाई, जिग्नेश मेवाणी ने घटना की निंदा की

**क्रांति समय ,सूरत**

कच्छ जिले के नेर गांव में अनुसूचित जाति के लोगों पर हमले की घटना को लेकर राजनीति गरमा गई है। हांलाकि सरकार के आदेश के बाद हरकत में आई पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सरकार ने ६ पीड़ित लोगों को 21 लाख रूपए की सहायता का ऐलान भी कर दिया है। दूसरी ओर वडगाम से निर्दलीय विधायक और कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवाणी ने आंदोलन का ऐलान कर दिया

है। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि कच्छ जिले की रापर तहसील के वरणुं गांव में दलित समाज की समिति की जमीन पर मंदिर बनाया गया है।

मेवाणी ने कहा कि इस मंदिर में 1 नवंबर को दलित समाज के लोग प्रवेश करेंगे। सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि सरकार को ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए सतर्क रहना चाहिए, लेकिन इस मामले में खामोश है। दूसरी ओर सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 6 पीड़ितों को 21 लाख रूपए की सहायता का ऐलान किया है।

दूसरी ओर अनुसूचित जाति के लोगों पर हमले के आरोप में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर एफआईआर भी दर्ज कर ली है।

## सूरत में चौथी मंजिल की गैलरी से गिरा दो साल का बच्चा,मां की आंखों के सामने एक बेटे की मौत

**क्रांति समय ,सूरत**

सूरत में सायन की सिद्धिविनायक सोसायटी में एक दुखद त्रासदी हुई। चौथी मंजिल की गैलरी में खेल रहे २ साल के बच्चे की उस वक्त मौत हो गई जब उसकी मां खाना बना रही थी। मां के सामने हुए दर्दनाक हादसे के बाद परिजन तुरंत बच्चे को सिविल ले आए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़ी बेटी के बाद पैदा हुए बेटों में से एक की मौत पर परिवार ने सिविल अस्पताल में मातम मनाया।

प्रमोद सवाई (मृत बच्चे के पिता) का एक बेटा और एक बेटी थी। साहिल बहुत खुश था। मैं काम पर था। पत्नी घर पर थी। साहिल चौथी मंजिल से गिर गया,उसका फोन बजा और उसके नीचे से पैर फिसल गए। क्या बात

करू जब वे अस्पताल पहुंचे तो उनका शव पड़ा मिला साहिल का मुस्कुराता चेहरा देखकर उन्हें रोज काम पर जाने की आदत हो गई थी।

कानपुर निवासी हैं और मास्टर अकाउंट करघे हैं। साहिल महज २ महीने का था। बच्चे का खेल छोड़कर पत्नी खाना बना रही थी। बड़ी बेटी खेलने के लिए नीचे चली गई। पत्नी का ध्यान भंग हुआ और मां ने साहिल को खेलते और गैलरी से नीचे गिरते देखा, लेकिन बच्चे के पिता ने आगे कहा कि बहुत देर हो चुकी थी.

फिलहाल पुलिस कर रही है। पीएम ओलपाड पुलिस के बिना शव ले जाया गया, बिना पोस्टमॉर्टम के एक बच्चे का शव परिवार को अंतिम संस्कार के लिए सौंपना चर्चा का विषय बन गया। जब चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमसी चौहान ने कहा कि यदि मृतक के गिरने का इतिहास रहा है तो उसका शव परीक्षण किया जाना चाहिए।

## पुलिस में खुशी की लहर दीपावली गिफ्ट

ग्रेड पे के मुद्दे पर कमेटी बनाकर शहर के तमाम पीआईए ने पुलिसकर्मियों को खिलाई मिठाइयां, अधिकारियों–पुलिसकर्मियों के साथ खाना खाया.

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

# टीके से परहेज

ऐसे वक्त में जब देश एक सौ चार करोड़ से अधिक लोगों को टीके की पहली डोज लगा चुका है, कुछ विसंगतियां हमारी चिंता बढ़ाने वाली साबित हो रही हैं जो कहीं न कहीं कोरोना के खिलाफ जीती जा रही लड़ाई को कमजोर कर सकती हैं। हाल ही में एक परेशान करने वाला यह तथ्य सामने आया है कि देश में करीब ग्यारह करोड़ लोगों ने पहली खुराक के बाद दूसरी खुराक का समय आ जाने के बावजूद टीका नहीं लगवाया। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि देश में लगभग चार करोड़ वयस्क दूसरी खुराक के लिये निर्धारित तिथि से छह सप्ताह से अधिक लेट हो चुके हैं। इसी तरह डेढ़ करोड़ लोगों को दूसरी डोज के समय से चार से छह सप्ताह अधिक हो चुके हैं। वहीं डेढ़ करोड़ लोग दो से चार सप्ताह गुजरने के बावजूद टीका लगवाने नहीं पहुंचे। साथ ही करीब 3.38 करोड़ लोग दूसरे टीके की निर्धारित अवधि से दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद टीका लगाने को उत्सुक नजर नहीं आते। ऐसे समय में जब देश में कोविशील्ड व कोवैक्सीन के अलावा स्पूतनिक-वी वैक्सीन उपलब्ध हैं और उनका भारत में ही उत्पादन हो रहा है, टीके लगाने में उदासीनता का कारण समझ से परे है। देश में पर्याप्त मात्रा में टीके उपलब्ध हैं और देश अब जरूरतमंद देशों को निर्यात का भी मन बना चुका है। ऐसे में जब पहले टीके की खुराक ले चुके लोग दूसरा टीका लेने में कोताही बरत रहे हैं तो अधिकारियों को भी ऐसे लोगों को टीका लगाने के लिये तैयार करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। यह चिंता की बात है कि पिछले दिनों इस गंभीर समस्या के बाबत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आहूत बैठक में कुछ उत्तरी राज्यों ने भाग नहीं लिया। भले ही हमने सौ करोड़ टीकाकरण का मनोवैज्ञानिक लक्ष्य छू लिया हो लेकिन अभी तीसरी लहर का खतरा टला नहीं है। ऐसे में कोई ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए जो कालांतर आत्मघाती साबित हो।

भारत जैसे बड़ी आबादी और सीमित संसाधनों वाले देश में यह गर्व की बात है कि हम देश की 76 फीसदी आबादी को टीके की एक खुराक और बत्तीस फीसदी लोगों को दोनों खुराक दे चुके हैं। विगत में कई वैज्ञानिक अध्ययन इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि टीके की एक खुराक की तुलना में दो खुराक कोविड-19 के खिलाफ अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षा प्रदान करती है। ऐसे में यह विश्वसनीय निष्कर्ष स्वयं में प्रमाण है और लोगों को दोनों डोज लेने के लिये प्रेरित करने के लिये पर्याप्त प्रयास होने चाहिए। यदि इसके बावजूद लोग दुराग्रह-अज्ञानता और आलस्यवश दूसरा टीका लगाने आगे नहीं आते तो केंद्र व राज्यों को मिलकर उन्हें प्रेरित करना चाहिए कि वे जितना जल्दी हो सके, दूसरा टीका लगा लें। इसके लिए केंद्र व राज्यों को मल्टी-मीडिया साधनों और जागरूकता अभियानों के जरिये लोगों को इस मुहिम में शामिल करने को प्रेरित किया जाना चाहिए। यदि इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग आगे नहीं आते तो इस बाबत चेतावनी भी देनी चाहिए। दरअसल, कुछ लोगों की लापरवाही सुरक्षा श्रृंखला को तोड़ सकती है और बड़ी समस्या की वजह बन सकती है। निस्संदेह, इस मामले में हम चूके हैं कि कोवैक्सीन को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाने में हम कामयाब नहीं हो सके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैक्सीन निर्माता भारत बायोटेक से क्लीनिकल ट्रायल का विस्तृत ब्योरा मांगा है। इस बाबत तीन नवंबर को होने वाली बैठक में कोवैक्सीन को आपातकालीन उपयोग के लिये मंजूरी से जुड़े जोखिम व लाभ पर विचार किया जायेगा। इसके साथ ही डब्ल्यूएचओ की रीति-नीतियों पर भी सवाल उठता है कि बीते जुलाई में भारत बायोटेक द्वारा डाटा उपलब्ध कराये जाने के बावजूद अभी तक इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। विडंबना यह है कि इस टीके को लगाने वाले लाखों वे भारतीय भी हैं जो डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमति के इंतजार के कारण विदेश यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियां भारत के टीकाकरण कार्यक्रम को कमजोर कर सकती हैं, जिसने हाल के महीनों में तेजी से प्रगति की है।

# अफगानिस्तान में भुखमरी का संकट

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम होने के दो-ढाई महीने बाद वहां के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि देश की आधी आबादी भुखमरी और अकाल के कगार पर है। अफगानिस्तान की निर्वासित सरकार के कार्यकारी राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने भी देश में मानवीय संकट की ओर दुनिया का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा है कि देश में नब्बे फीसद जनसंख्या गरीबी के दलदल में फंस गई है। देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीड़ीपी) तीस फीसद गिर गया है। बैंक बंद हैं। नागरिक प्रशासन नाममात्र का है। प्रेस और मीड़िया पर नियंत्रण है। शरीयत के नाम पर महिलाओं को गुलामी में धकेल दिया गया है। सालेह के अनुसार देश में जो मानवीय सहायता कार्य चल रहा है, वह सरकार की बजाय स्वयंसेवी संगठन कर रहे हैं। सालेह का आरोप है कि देश का शासन तालिबान नहीं, बल्कि पाकिस्तान का सैन्य मुख्यालय चला रहा है। उनके अनुसार आतंकवादी गिरोह के रूप में तालिबान का समर्थन करना एक बात है, सरकार के रूप में तालिबान को कारगर बनाए रखना पाकिस्तान के बूते की बात नहीं है। दुनिया का सर्वाधिक शक्तिशाली देश अमेरिका हो या यूरोप के विकसित देश, सभी इस बात के गवाह हैं कि अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक शासन प्रणाली को हथियार के बलबूते खत्म करने के क्या परिणाम सामने आ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अफगानिस्तान में आधी से ज्यादा आबादी यानी करीब ढाई करोड़ लोगों को अगले महीने नवम्बर से भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। शर्मनाक बात यह है कि अब वहां भुखमरी से बचने के लिए लोग अपने बच्चों को बेचने लगे हैं। आर्थिक विषय के जानकारों का मानना है कि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था का करीब तीन चौथाई हिस्सा विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहायता पर निर्भर करता है। गृह युद्धके बाद देश में जो अस्थिरता का दौर शुरू हुआ है, उसके कारण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहायता बाधित हो गईहै। जहां तक भारत का संबंध है, उसे अफगानिस्तान में राजनीतिक रूप से सक्रिय होने में कुछ समय लगेगा। हालांकि नई दिल्ली वहां मानवीय सहायता के लिए पहले की तरह आज भी प्रयत्नशील है। फिलहाल, उसकी प्राथमिकता आतंकवाद से देश को सुरक्षित रखना है।

## कटाक्ष/कबीरदास

# नाम बदल जाएगा

विरोधी कुछ भी कहते रहें, सारी दुनिया तो मान रही है कि मोदी जी ने नये इंडिया को विश्व गुरु बना दिया है। बात अब सिर्फ मानने-मनवाने तक नहीं रही। बाकी दुनिया बाकायदा भारत से गुरुमंत्र ले रही है; गुरु मानकर भारत को फॉलो कर रही है। फॉलो भी सोशल मीडिया वाला नहीं, गुरुकुल वाला। गुरु ने गुर दिया कि मुश्किल सवाल सामने हों और कोई जवाब न देते बने, तो नाम बदल डालो। किसी संस्था, शहर, स्टेशन, सड़क, स्टेडियम, योजना, पुरस्कार, किसी का भी बदलो, पर नाम बदल डालो। टॉप लेवल से चेलों ने नाम बदलना शुरू भी कर दिया है। सुना नहीं, दुनिया की टॉप डिजिटल कंपनी, फेसबुक ने अपना नाम ही बदल कर मेटा कर दिया है। नाम ही नहीं होगा, बदनाम कौन होगा?

अब प्लीज ऐसी बचकानी दलील कोई नहीं दे कि फेसबुक ने नाम जरूर बदला है, पर मोदी जी के नये इंडिया को फॉलो करने की बात तो कही ही नहीं है। पश्चिम वाले इतनी आसानी से किसी और को अपना गुरु मानेंगे और वह भी इंडिया को जिस पर उन्होंने सैकड़ों साल राज किया था! पर किसी के गुरु मानने न मानने से क्या होता है?

सारी दुनिया जानती है कि मुश्किल का मुकाबला करने के लिए नाम बदलने का गुरग नये इंडिया ने ही दुनिया को दिया है और अब फेसबुक वाले मोदी जी के उसी गुर को आजमा रहे हैं। वैसे मन ही मन फेसबुक वाले भी इसका शक्र मना रहे होंगे कि मोदी जी ने अपने इस गुर को पेटेंट नहीं कराया। वरना झख मारकर, उन्हें नये इंडिया का गुर आजमाने की बात कबूल करनी पड़ती। भारत के गुर का इस्तेमाल करने के लिए रॉयल्टी देनी पड़ती सो ऊपर से। फिर भी मोदी जी ने पेटेंट नहीं कराया।

विश्व गुरु पेटेंट के दावों के मोहताज थोड़े ही होते हैं। और ये क्या दलील हुई कि सिर्फ फेसबुक की कंपनी का नाम बदला हैग बाकी फेसबुक, व्हाट्सऐप सब जैसे के तैसे रहेंगे। नाम बदला है, पर पब्लिक के लिए नहीं। फिर इस नाम बदलने में धर्म का कोई एंगल तो है ही नहीं। सीखेंगे, धीरे-धीरे वह भी सीखेंगे। अभी तो शुरुआत है। विश्व को गुरु से अभी वो गुर तो सीखने हैं।

# मानवाधिकारों से वंचित बांग्लादेशी हिन्दू

डॉ. समन्वय नंद

पिछले दिनों सोशल मीडिया में लेटर्स फॉम बांग्लादेश नामक एक ट्विटर हैंडल से एक वीडियो साझा किया गया था जो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक ब्राह्मण पंडाल में मां दुर्गा की पूजा करता हुआ दिख रहा है। लेकिन सामने जो मां दुर्गा की मूर्ति है उसे तोड़ दिया गया है। वही तोड़ दिये गये प्रतिमूर्ति के सामने बैठकर ब्राह्मण दुर्गा पूजा की आवश्यक रीति नीति को संपन्न कर रहा है। इस वीडियो के साथ जो बातें लिखी गई है, यदि उसका हिंदी में अनुवाद किया जाए तो कुछ इस तरह का होगा-

'मैं बांग्लादेश का अल्पसंख्यक हिन्दू हूं। दुर्गा पूजा मेरा सबसे बड़ा त्योहार है। मैं हर साल दुर्गा पूजा की प्रतीक्षा में रहता हूं, जब मैं जगद्जननी मां दुर्गा की उपासना करूंगा। लेकिन मेरी मूर्ति को इस्लामी गुंडों ने तोड़ दिया है। इसके बावजूद मैं मौन हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं इसका विरोध नहीं कर सकता। इस मामले में यदि मैं कुछ बोलता हूं तो वे मेरे परिवार पर हमला कर देंगे। मेरे घर को जला देंगे। हमारी संख्या यहां काफी कम है इसलिए मुझे इसे सहना होगा। यही कारण है कि मैं तोड़ी गयी मूर्ति के सामने ही मेरी पूजा संपन्न कर दी है।'

वास्तव में सोशल मीडिया में प्रसारित यह पोस्ट व वीडियो बांग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति को दर्शाती है। एक इस्लामिक देश में हिन्दुओं की स्थिति को समझने के लिए यह पोस्ट व वीडियो पर्याप्त है। बांग्लादेश में केवल पूजा पंडालों को ही नहीं तोड़ा गया, मंदिरों पर भी हमला किया गया है। हिन्दुओं के घर फूंक दिये गए। नोआखाली से लेकर कोक्स बाजार, कोमिला, फेणी आदि अनेक स्थानों से हिन्दुओं पर सुनियोजित हमले किये गये हैं। अनेक हिन्दुओं की हत्या कर दी गई है। हिदु महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया है। हिंसा का सिलसिला लगातार कई दिनों तक बिना रुके चलता रहा। दशहरे के बाद भी हिंसा जारी रहने की सूचनाएं मिल रही हैं। दशहरे के दिन इस्लामी कट्टरपंथियों ने नोआखाली के प्रसिद्ध इस्कान मंदिर पर हमला किया। इस्कान मंदिर से जुडे लोगों का कहना है कि शुक्रवार की नमाज के बाद लोगों की भीड़ ने अचानक आकर हमला बोल दिया। इस्कान के साधु-भक्तों ने इसका प्रतिरोध किया। मंदिर की मूर्तियां तोड़ी गई, धर्मग्रंथ जला दिया गया। प्रभुपाद की मूर्ति तक को नहीं छोड़ा गया। एक भक्त पार्थ दास का शव अगले दिन पास के तालाब से मिला। काफी नृशंस तरीके से उनकी हत्या की गई थी। उनके शरीर के कई हिस्से काट दिये गये थे। जिस तरह से हिंसा हुई मानो नोआखाली में 1946 की हिंसा को दोहराया जा रहा हो। दशहरे के बाद भी रंगपुर जिले से दो गांवों में हिन्दुओं के घरों व मंदिरों में आग लगाने की सूचना मिल रही है। हिन्दुओं की संपत्ति के साथ गाय-बैलों को भी जला दिया गया है।

> "बांग्लादेशी हिन्दुओं की चीखें राष्ट्र संघ के मानवाधिकार संगठन को भी सुनाई नहीं दे रही है। बांग्लादेशी हिन्दुओं की शायद यही नियति है।"

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से प्रकाशित होने वाले प्रमुख समाचार पत्र डेली स्टार ने अपने अखबार में चार साल के बच्चे आदित्य शाह की खबर प्रकाशित की है। अखबार का संवाददाता उसके घर में जाकर बातचीत करने के बाद खबर प्रकाशित की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार साल का मासूम आदित्य अपनी मां से बार-बार पूछ रहा है- मां, पिताजी कब आयेंगे। आदित्य के पिताजी जतन शाह दशहरे के दिन मंदिर में गये थे। जिहादियों ने उन्हें पीट-पीटकर मार डाला था। आदित्य की मां लकी कहती हैं कि 'मुझे में इतना साहस नहीं है कि मैं बेटे को बता सकूं कि तुम्हारे पिता अब कभी नहीं आयेंगे।' जतन ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति थे। उनकी हत्या के बाद आगे कैसे उनका परिवार चलेगा, इसे लेकर परिवार को चिंता सता रही है।

ये केवल एक आदित्य की बात नहीं है या फिर एक लकी की बात नहीं है। हाल ही में बांग्लादेश में हुई हिन्दू विरोधी हिंसा में ऐसे अनेक आदित्य अनाथ हो गये और ऐसे अनेक लकी हैं जो विधवा हो गई हैं। लेकिन उन्हें न्याय देने या फिर उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमला कई नई बात नहीं है। बांग्लादेश को हिन्दू विहीन करने के लिए इस्लामी शक्तियां इस तरह के काम लगातार करती आ रही हैं। इसके कारण बांग्लादेश में हिन्दू आबादी केवल आठ प्रतिशत ही बची है। इस मामले को लेकर इस्कान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिख कर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की टीम भेजने का अनुरोध किया था। बांग्लादेश की मेनस्ट्रीम मीडिया में इन हिन्दू विरोधी हिंसा की सही रिपोर्टिंग नहीं हो रही थी। ऐसे में बांग्लादेश हिन्दू युनिटी काउंसिल व इस्कान बांग्लादेश अपने अपने ट्वीटर हैंडल से हिन्दू विरोधी हिंसा से जुड़े फोटो, वीडियो व अन्य सूचनाएं जारी कर रहे थे। इससे शेष विश्व में जानकारी मिल पा रही थी। लेकिन ट्विटर ने इन दोनों संस्थानों के ट्विटर अकाउंट को सस्पेंड कर दिया। बांग्लादेश का सच पूरे विश्व के सामने लाने वाले इन हैंडलों को बंद कर दिया गया।

ट्विटर हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करता है लेकिन वास्तव में उसकी सच्चाई क्या है, उसने इस कदम से स्पष्ट कर दिया। इससे एक बात और प्रमाणित हो गई कि हिन्दुओं का मानवाधिकार नहीं होता। हिन्दुओं पर अत्याचार हो, उसे रोकने के लिए कार्रवाई नहीं होगी। यदि कोई वास्तविकता को सामने लाने का प्रयास करेगा तो उसका ट्विटर हैंडल को बंद कर उस चुप करा दिया जाएगा।

फिलिस्तीन में सामान्य तौर पर कुछ होने पर तख्तियां लेकर सड़कों पर आ जाने वाले लोग भी बांग्लादेश के हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर मौन हैं। बांग्ला अस्मिता की बात करने वाली ममता भी चुप हैं। अपने आप को मानवाधिकारों के ठेकेदार बताने वाले भी लगता है गहरी निद्रा में हैं। बांग्लादेशी हिन्दुओं की चीखें राष्ट्र संघ के मानवाधिकार संगठन को भी सुनाई नहीं दे रही है। बांग्लादेशी हिन्दुओं की शायद यही नियति है।

## विषमता का समाज

# समस्या के समाधान की ईमानदार कोशिश हो

विश्वनाथ सचदेव

खबर यह नहीं है कि पेट्रोल और डीज़ल के भाव सौ रुपये प्रति लीटर से ऊपर चले गये हैं, खबर यह है कि ये भाव लगातार बढ़ रहे हैं और आम आदमी यह मानकर बैठ गया है कि ये भाव डेढ़ सौ तक जायेंगे ही। आये दिन खबरिया टी.वी. चैनल पेट्रोल पम्पों पर दुपहिये वालों, चारपहियों वालों से यह पूछ रहे हैं कि घर के बजट का क्या हाल है, और ऐसे हर सवाल के जवाब में यह सुनकर चुप हो जाते हैं कि 'परेशानी तो हो रही है, पर क्या करें?' ये दो शब्द 'क्या करें' देश की जनता की विवशता और असहायता के पर्यायवाची हैं। लगातार बढ़ती महंगाई से मध्य वर्ग सबसे ज़्यादा पिस रहा है, पर इसके बावजूद यही वह वर्ग है जो अपने आपको सबसे ज़्यादा असहाय मससूस कर रहा है।

आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले एक साल में जीडीपी अर्थात सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में मध्यवर्गीय परिवारों का कर्ज 35 से 37 प्रतिशत हो गया है। जीवनयापन के हर मद में पिछले दो सालों में, यानी महामारी के दौर में, कल्पनातीत बढ़ोतरी हुई है। यह सर्वविदित है कि महामारी के परिणामस्वरूप लागू किये गये लॉकडाउन के चलते करोड़ों लोगों के धंधे चौपट हो गये, फैक्टरियां बंद हो गयीं, कारखानों पर ताले लग गये, नौकरियां छिन गयीं, वेतन में कटौती हो गयी... अब कहा जा रहा है कि स्थिति सुधर रही है, और यह डर तलवार की तरह सिर पर लटक रहा है कि सुधरते-सुधरते बहुत देर न हो जाये!

सच पूछा जाये तो देर तो हो चुकी है, और स्थिति की भयावहता इस बात से और बढ़ गयी है कि स्थिति सुधारने की ज़िम्मेदारी जिन पर है, वे स्थिति की गंभीरता को न समझ रहे हैं, न समझना चाहते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने बयान दिया था कि पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतों से देश के सिर्फ पांच प्रतिशत नागरिक प्रभावित हो रहे हैं, शेष 95 प्रतिशत के जीवन पर इस महंगाई का कोई असर नहीं पड़ रहा!

हाल ही में वैश्विक भूख सूचकांक भी जारी हुआ था। एक वैश्विक गैर सरकारी संगठन कुछ तय आधारों पर दुनिया भर के देशों में 'भूख' के स्तर का आकलन करता है। उम्मीद की जाती है कि संबंधित सरकारें इसके आधार पर अपनी रीति-नीति में परिवर्तन करेंगी। पिछले साल भूख के सूचकांक की सूची में हमारे भारत का स्थान 94वें था। इस साल 121 देशों की इस सूची में भारत फिसल कर 101वें स्थान पर पहुंच गया है। यानी साल भर की 'प्रगति रिपोर्ट' यह है कि देश में भूखे रहने वालों की संख्या और बढ़ गयी है। जब भी कोई वैश्विक संगठन ऐसा कोई आंकड़ा सामने रखता है, जिसमें पहले से कुछ बेहतर स्थिति का संकेत हो तो हमारे नीति-निर्माता, सरकारी पक्ष के नेता, उसे सिर पर उठा लेते हैं। पर, भूख के यह आंकड़े जब सामने आये तो हमारी सरकार ने यह कह कर पल्ला झाड़ लिया कि यह सर्वेक्षण अवैज्ञानिक आधार पर हुआ है, देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त में खाद्यान्न देने वाली सरकार पर स्थिति की अनदेखी का आरोप कैसे लग सकता है? ग़लत है ये आंकड़े! इसके साथ ही यह भी जोड़ दिया गया है कि इसके पीछे भारत को बदनाम करने की अंतर्राष्ट्रीय चाल है!

लेकिन, क्या इससे कुपोषण से त्रस्त देश के बच्चों की भूख मिट जायेगी? अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न देना अच्छी बात है, पर सवाल यह भी उठता है कि ऐसी स्थिति ही क्यों आयी? ऐसे सवालों के उत्तर सही नीतियों की मांग करते हैं, उनके ईमानदार क्रियान्वयन की मांग करते हैं। आंकड़ों को झूठा कहने से बात नहीं बनेगी।

कोरोना ने सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पर अब, जबकि स्थितियां कुछ बेहतर लग रही हैं, यह सोचने की आवश्यकता है कि सुधरने की गति और दिशा क्या हो। लॉकडाउन के दौरान जब करोड़ों लोग शहरों से अपने गांवों की ओर लौट रहे थे, कई राज्य सरकारों ने घोषणाएं की थीं कि अब राज्य में ही उनके रोज़गार की व्यवस्था की जायेगी। शहरों की ओर लौटते बेरोज़गारों की कतारें बता रही हैं कि ऐसी कोई व्यवस्था हुई नहीं। कश्मीर में मूंगफली और गोलगप्पे बेच कर रोटी कमाने वाले बिहारी की हत्या इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि उसके अपने राज्य में रोज़गार की स्थिति इतनी कमाने लायक भी नहीं है।

आज देश के दो-तिहाई वर्ग को बेहतर ज़िंदगी देने के लिए ठोस और सार्थक योजनाओं की आवश्यकता है। सबसे ऊंची मूर्ति, सबसे ज़्यादा हवाई अड्डे, सबसे शानदार मॉल, सबसे आकर्षक पर्यटन-केंद्र, सबसे भव्य संसद भवन... यह सब भी चाहिए देश को। पांच राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। हर जगह राजनीतिक दल मुफ्त बिजली-पानी आदि देने के वादे कर रहे हैं, लेकिन देश की पहली आवश्यकता भूख मिटाने की है, गरीबी कम करने की है। बच्चों को अच्छी शिक्षा चाहिए, युवाओं को रोज़गार चाहिए। आम नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य-व्यवस्था चाहिए। नारे, दावे और वादे नहीं, समस्या को पहचान कर निदान की ईमानदार कोशिश करने वाला नेतृत्व चाहिए। काश! यह सब हो सके।

## मुद्दा

# पारिवारिक संबंधों से जुड़ा है स्वास्थ्य

भारत डोगरा

हलांकि पारिवारिक संबंधों की प्रगाढ़ता के महत्व के बारे में व्यापक समझ है, पर विशेष तौर पर इन संबंधों के मनुष्य के स्वास्थ्य पर असर के बारे में सामान्य स्तर पर कम जानकारी उपलब्ध है। इस संदर्भ में अमेरिका के कुछ अनुसंधानकर्ताओं (मिशिगन और नेवेडा विश्वविद्यालय) ने कुछ समय पहले महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई है। इस अनुसंधान में 373 विवाहित जोड़ों का 16 वर्षों तक अध्ययन किया गया। इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली अनुसंधानकर्ता रोजी शॉर्ट ने बताया है कि पति-पत्नी के संबंध बिगड़ने पर पति और पत्नी, दोनों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पडव्ता है, हालांकि पुरुषों में यह असर महिलाओं से अधिक पाया गया।

इस अध्ययन के अनुसार संबंध बिगड़ने पर यह असर सूजन, भूख मर जाने और तनाव के हार्मोन की रिलीज (उत्सर्जन) के रूप में अधिक सामने आता है। इसका प्रतिकूल असर हृदय संबंधी स्वास्थ्य समस्या और प्रतिरोधक क्षमता कम होने जैसे गंभीर परिणामों के रूप में भी देखा जा सकता है। एसेक्स विश्वविद्यालय के प्रो. वी. लावारो ने इस प्रतिकूल असर के दीर्घकालीन पक्षों की ओर ध्यान दिलाया है। यह प्रतिकूल असर यदा-कदा या कम होने वाले झगड़ों से उत्पन्न नहीं होते पर निरंतर बने रहने वाले तनावों से अधिक जुड़े हैं।

ये स्वास्थ्य समस्याएं कितनी गंभीर होंगी, यह इस पर निर्भर होगा कि झगड़े कितने लंबे खिंचते हैं और गंभीर होते हैं और कितनी निरंतरता से होते हैं। पति-पत्नी के झगड़ों का उनके स्वास्थ्य पर जितना प्रतिकूल असर पड़ता है, उससे भी अधिक प्रतिकूल असर उनके बच्चों पर पड़ सकता है। वजह यह है कि बच्चों का प्रायः माता-पिता, दोनों से बहुत प्यार होता है, वे दोनों का सम्मान करते हैं और उन दोनों को एक साथ देखकर, उनके अच्छे संबंधों को देखकर और महसूस कर बच्चों को बहुत भला लगता है और वे इन संबंधों की छांव में अपने को सुरक्षित और खुशहाल महसूस करते हैं। दूसरी ओर यदि वे माता-पिता को बार-बार झगड़ते हुए देखते हैं या एक-दूसरे को अपमानित करते हुए देखते हैंग तो इसका बच्चों के मानसिक और शारीरिक, दोनों तरह के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पडव्ता है। वयस्कों की अपेक्षा बच्चों के लिए इस प्रतिकूल स्थिति को समझना और संभालना अधिक कठिन होता है।

झगड़ते हुए कई बार माता-पिता के मन में रहता है कि बाद में स्थिति संभाल लेंगे, पर बच्चे के पास ऐसा कोई आश्वासन, ऐसी कोई निश्चित दिलासा प्रायः नहीं होती है। माता-पिता की अपेक्षा बच्चे के मन में अनिश्चय अधिक होता है और उस पर अधिक मनोवैज्ञानिक प्रतिकूल असर पड़ता है और असर बहुत दीर्घकालीन होता है। इसका उनकी शिक्षा और कॅरियर पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। फ्रेडरिक टेटमेन के अध्ययन के अनुसार इस कारण बच्चों के जीवन की आयु कम होती है। ब्रिटेन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य सवाक्षण ने इस बारे में एक दीर्घकालीन अध्ययन किया, जिसे महत्वपूर्ण माना गया है। इसमें माता-पिता के गंभीर झगड़ों वाले परिवारों के बच्चों को बड़े होने तक अध्ययन के दायरे में रखा गया। अध्ययन से पता चला कि यदि इन बच्चों की तुलना अन्य मामलों में समान स्थिति के उन परिवारों के बच्चों से की जाए जहां माता-पिता के संबंध अच्छे या ठीक-ठाक हों, तो इन बच्चों (झगड़ों वाले परिवारों के बच्चों) की प्रायः शिक्षा और रोजगार में उपलब्धि कम पाई गई। उनमें शराब का सेवन करने और धूम्रपान की प्रवृत्ति भी अधिक पाई गई। उनमें आत्मविश्वास की कमी और क्रोध की अधिकता भी देखी गई। आपराधिक प्रवृत्ति भी अधिक देखी गई। जिन बच्चों को माता-पिता के तलाक के कारण अलग होने के बाद सौतेले पिता या माता के पास रहना पड़ा, ऐसे मामलों में बच्चों पर प्रतिकूल असर की प्रवृत्ति और भी ज्यादा देखी गई।

मन्नू भंडारी के विख्यात उपन्यास 'आपका बंटी' में ऐसे बच्चों के दर्द का मार्मिक चित्रण मिलता है। जहां शराब के नशे के कारण माता-पिता में झगड़े होते हैं तो उनमें मारपीट की संभावना भी अधिक होती है और गाली-गलौज भी। ये झगड़े बच्चों के लिए सबसे हानिकारक हो सकते हैं, विशेषकर लड़कियों के लिए, और ऐसे अन्य झगड़ों के समय बच्चों से भी हिंसा हो जाती है। यदि बच्चों पर उनके अभिभावक गंभीर तरह की हिंसा करते हैं तो उनको होने वाली पीड़ा के अतिरिक्त उन्हें इससे कहीं अधिक गंभीर मानसिक क्षति पंहुच सकती है। इन मुद्दों की गंभीरता को समझते हुए पारिवारिक संबंधों में वैमनस्य कम करने के लिए और इन संबंधों में सुधार के लिए सतत प्रयास व्यक्तिगत और सामाजिक, दोनों स्तरों पर होने चाहिए।

## राजस्थान रिफाइनरी के लिए 150 करोड़ का अतिरिक्त बजट प्रावधान

**जयपुर,** राजस्थान सरकार ने एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की अंश पूंजी में राज्य सरकार की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के तहत 260 करोड़ रुपये के भुगतान पर सहमति देते हुए 150 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजट प्रावधान को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक बयान के अनुसार, इस मंजूरी से राजस्थान रिफाइनरी के कार्य को गति मिलेगी और यह परियोजना समय पर पूरी हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने राजस्थान के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस परियोजना को शीघ्र पूरा किए जाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है और मुख्यमंत्री स्वयं इसके कार्यों की सतत निगरानी कर रहे हैं।

## सिफी टेक्नोलॉजीज को सितंबर तिमाही में 35.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

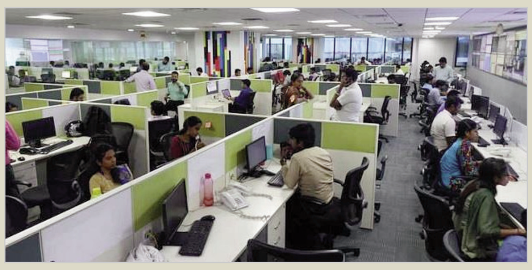

**बिजनेस डेस्क।** चेन्नई की कंपनी सिफी टेक्नोलॉजीज को चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में 35.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 25.7 करोड़ रुपये था। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता कंपनी ने शनिवार को बताया कि जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में उसकी आय 698.6 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 589.9 करोड़ रुपये थी। तिमाही में कंपनी की ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) से पहले की आय 147.7 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 118.9 करोड़ रुपये थी। वही इस दौरान कंपनी का पूंजीगत व्यय 149.7 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी एम.पी विजय कुमार ने कहा, ''हम अपने डेटा केंद्रों की पहुंच के साथ-साथ डिजिटल सेवाओं में अपने नेटवर्क की पहुंच के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।''

## सेबी ने संबंधित पक्ष लेनदेन को लेकर वेदांता को चेताया

**नयी दिल्ली,** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अरबपति उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड को ऑडिट कमेटी की पूर्व-मंजूरी के बिना 1,407 करोड़ रुपये के संबंधित पक्ष लेनदेन के क्रियान्वयन को लेकर चेतावनी जारी की है। वेदांता ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में सेबी की ओर से दिए गए चेतावनी पत्र की जानकारी दी है। पत्र ने कहा गया है कि यदि कंपनी ने भविष्य में भी इसे दोहराया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खनन समूह के स्वतंत्र लेखा परीक्षकों ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में संबंधित पक्ष के लेनदेन को उजागर किया था। लेनदेन की प्रकृति का खुलासा किए बिना कंपनी ने कहा कि इसे कारोबार के सामान्य नियमों के तहत किया गया था।

# सेमीकंडक्टर की कमी के कारण अगले महीने मारुति के उत्पादन पर पड़ सकता है असर

**(एजेंसी)।**

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शनिवार को कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति में बाधा के चलते नवंबर में हरियाणा में उसके दो संयंत्रों और सुजुकी के गुजरात स्थित मूल संयंत्र में उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि वर्तमान अनुमान के अनुसार अगले महीने हरियाणा में दोनों इकाइयों में कुल वाहन उत्पादन की मात्रा सामान्य का लगभग 85 प्रतिशत तक रह सकती है। कंपनी ने कहा, ''सेमीकंडक्टर संकट के कारण इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इससे नवंबर महीने में हरियाणा के संयंत्रों के अलावा उसकी ठेके पर विनिर्माण करने वाली कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड (एसएमजी) दोनों में वाहन उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। हरियाणा में गुड़गांव और मानेसर संयंत्रों में कंपनी की उत्पादन क्षमता लगभग 15 लाख इकाई सालाना की है।

## आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के दूसरी तिमाही के शुद्ध लाभ में हुईं 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी

**बिजनेस डेस्क।** निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकल आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 151.74 करोड़ रुपये हो गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंक का शुद्ध लाभ 101.41 करोड़ रुपये रहा था। बैंक को अप्रैल-जून, 2021 तिमाही में 630 करोड़ रुपये का कुल घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 4,880.29 करोड़ रुपये हो गई, एक साल पहले की इसी अवधि में यह 4,090.87 करोड़ रुपये थी। बैंक की जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में ब्याज से आय बढ़कर 4,100.58 करोड़ रुपये पर पहुंच। एक साल पहले की इसी अवधि में 3,924.86 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा फंसे हुए कर्जे में वृद्धि से आलोच्य तिमाही में बैंक का डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए प्रावधान बढ़कर 474.95 करोड़ रुपये हो गया।

## विकासशील देशों को एस्ट्राजेनेका कोविड टीके की दो करोड़ खुराक उपलब्ध कराएगा ब्रिटेन : जॉनसन

**रोम (एजेंसी),**

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि उनका देश एस्ट्राजेनेका कोरोना वायरस टीके की दो करोड़ खुराक विकासशील देशों को मुफ्त उपलब्ध कराएगा। यह उन देशों के साथ टीकों को साझा करने के प्रयासों का हिस्सा है, जहां टीकों की कमी है। जॉनसन ने शनिवार से शुरू होने वाले जी-20 देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए रोम पहुंचते पर यह घोषणा की। ब्रिटेन ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र समर्थित कोवैक्स टीका-साझाकरण कार्यक्रम में एक करोड़ खुराकें भेजी गई हैं, और आने वाले हफ्तों में एक करोड़ और खुराकें भेजी जाएंगी। उन्होंने बताया कि वे एक करोड़ खुराक पहले ही वितरित कर चुके हैं और यह कदम 2022 के मध्य तक जरूरतमंद देशों के साथ 10 करोड़ खुराक साझा करने की ब्रिटेन की प्रतिबद्धता का हिस्सा हैं। जॉनसन ने आर्थिक महाशक्तियों के क्लब से 2022 के अंत तक पूरी दुनिया को टीका लगाने के लिए जोर देने का आग्रह करते हुए कहा कि जी-20 के रूप में हमारी पहली प्राथमिकता टीकों के तीव्र, उचित और वैश्विक वितरण के साथ आगे बढ़ने की होनी चाहिए।

# अगले एक साल में सोने की कीमत 52-53 हजार रुपये तक पहुंचने की उम्मीद: एमओएफएस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

अगले 12 महीनों में घरेलू सोने की कीमतें 52,000-53,000 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है।2021 में, सोने की कीमतें 47,000 रुपये से 49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रही हैं। हालांकि, सोने की कीमतों में 2019 के दौरान 52 फीसदी और 2020 में 25 फीसदी की तेजी देखी गई थी। फाइनेंशियल सर्विसेज के नोट मोतीलाल ओसवाल के अनुसार, बुलियन पिछली दिवाली से इस दिवाली तक एक समेकन मोड में रहा है और पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल में अस्थिरता के बीच कुछ अस्थिरता देखी गई है।फिर भी, वर्ष की पहली छमाही के दौरान, उम्मीद से बेहतर आर्थिक आंकड़ों और यूएस फेडरल रिजर्व के तेजतर्रार दृष्टिकोण ने अधिकांश बाजार सहभागियों को किनारे पर रखा है। दूसरी ओर, दूसरी छमाही में कमजोर डेटा सेट और यूएस फेड के दृष्टिकोण में बदलाव देखा गया है जो सोने के दामों को एक बार फिर उत्साहित कर सकता है। दिवाली 2020 के विपरीत, इस साल बहुत कम प्रतिबंध हैं, दुकानें खुली हैं, इस साल कुल मांग में भी वृद्धि हुई है जिसे आयात संख्या से देखा जा सकता है जो सितंबर तक 740 टन है। जोखिम भरी संपत्ति यानी सोने में पिछले कुछ महीनों में बड़े पैमाने पर उछाल देखा गया है और इसने अच्छा रिटर्न दिया है। प्रवृत्ति में कोई भी बदलाव या कमजोर पड़ने से सुरक्षित पनाहगाहों में भारी उछाल आ सकता है। हाल ही में, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों ने सुझाव दिया कि सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही के लिए सोने की मांग 47 प्रतिशत बढ़कर 139.1 टन हो गई, जबकि एक साल पहले यह 94.6 टन थी। इसके अलावा, जुलाई से सितंबर 2021 की अवधि के दौरान भारत में आभूषण की मांग 58 प्रतिशत बढ़कर 96.2 टन हो गई। जो कि मजबूत मांग, अवसर से संबंधित उपहार, आर्थिक प्रतिक्षेप और कम कीमतों के कारण है। ईटीएफ इस साल की शुरुआत के बाद से सोने के लिए सबसे अच्छा समर्थक नहीं रहा है, हालांकि सेंट्रल बैंक की सोने की खरीदारी की होड़ और सीएफटीसी की स्थिति ने शुद्ध लंबे समय में अपनी स्थिति बनाए रखी है, जिससे सोने की कीमतों के लिए समग्र भावना बढ़ गई है।इसके अलावा, नोट में कहा गया है कि मौजूदा परिदृश्य में कुछ छोटी अवधि की अड़चनें हो सकती हैं जो निवेशकों को खरीदारी का बेहतर अवसर दे सकती हैं। हम मानते हैं कि सोने में एक बार फिर से 2,000 डॉलर तक बढ़ने की क्षमता है और यहां तक कि कॉमेक्स पर एक नया जीवन काल भी बना सकता है।

## झारखंड: कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग पर रोडमैप जारी, 15 वर्षों में 12,465 करोड़ बचा सकती है सरकार

**रांची (एजेंसी)।**

झारखंड में कृषि गतिविधियों में सौर ऊर्जा के व्यापक इस्तेमाल से राज्य सरकार अगले पंद्रह वर्षों में 12,465 करोड़ रुपये की बचत कर सकती है। इसके साथ ही राज्य में सोलर इकाइयों से करीब 4250 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। यह बात शुक्रवार को यहां झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री बादल पत्रलेख के हाथों जारी संबंधित एनर्जी ट्रांजिशन रोडमैप रिपोर्ट में कही गयी है। कृषि मंत्री ने झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (जेरेडा), सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित एक कांफ्रेंस में इस रिपोर्ट का विमोचन किया। इस कांफ्रेंस का आयोजन राज्य में कृषि क्षेत्र की संरचनात्मक समस्याओं के समाधान में अक्षय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करने और इस पर समुचित नीतिगत पहल के लिए परिचर्चा के उद्देश्य से किया गया था। इस रोडमैप को एक सामयिक और बेहद जरूरी पहल बताते हुए मंत्री पत्रलेख ने कहा कि, अक्षय ऊर्जा के जरिए हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर कर सकते हैं और आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में सार्थक बदलाव ला सकते हैं। हमारा विभाग इस रिपोर्ट की मुख्य सिफारिशों को योजना निर्माण के क्रम में सकारात्मक रूप से लेगा। इस रिपोर्ट का प्रमुख निष्कर्ष यह है कि कृषि कार्यों में सौर ऊर्जा के उपयोग से राज्य में वर्ष 2021-22 से 2037-38 के बीच 36.4 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन से बचा जा सकता है।

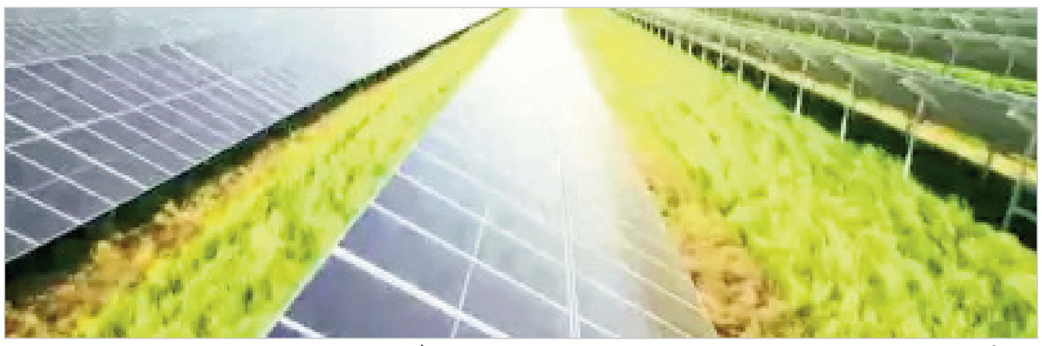

करीब 2,34,000 ग्रिड कनेक्टेड सिंचाई पंप और 40,5447 स्टैंडअलोन ऑफ-ग्रिड सोलर पंप सम्मिलित रूप से 700 मेगावाट की मांग को पूरा कर सकते हैं। ग्रामीण स्तर पर कृषि उत्पादों के प्रबंधन से जुड़ी बुनियादी संरचना की दिशा में 8343 माइक्रो और मॉडल कोल्ड स्टोरेज की स्थापना से अगले 15 वर्षों में 3.64 लाख मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता पैदा हो सकती है। इसी तरह ग्राम स्तर पर 81000 गोदामों की सुविधाओं के विकास से 160 मेगावाट की सोलर रूफटॉप की सम्भावना पैदा हो सकती है।

इस अवसर पर जेरेडा के डायरेक्टर के के वर्मा ने कहा कि एक स्टेट नोडल एजेन्सी के रूप में राज्य की सभी आर्थिक गतिविधियों में अक्षय ऊर्जा के व्यापक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं और यह रोडमैप इसी कड़ी में उठाया गया एक ठोस प्रयास है। रोडमैप के व्यापक उद्देश्यों पर सीड के सीईओ रमापति कुमार ने कहा कि राज्य सरकार को सस्टेनेबल एग्रीकल्चर मिशन शुरू करना चाहिए। कांफ्रेंस को झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी के प्रो एसके समदर्शी सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख सरकारी विभागों एवं एजेंसियों, उद्योग-व्यापार संगठनों, किसान उत्पादक समूहों, अकादमिक जगत, रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपर्स, रिसर्च थिंकटैंक और राज्य के प्रमुख सिविल सोसाइटी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

# वैश्विक टैबलेट शिपमेंट 10 फीसदी गिरने से विक्रेताओं को करना पड़ा आपूर्ति की कमी का सामना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, तीसरी तिमाही में वैश्विक टैबलेट शिपमेंट में 10 प्रतिशत (साल-दर-साल) की गिरावट आई, जिससे विक्रेताओं को आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ा है।

एप्पल और लेनोवो को छोड़कर, अन्य सभी टैबलेट कंपनियों को आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं का सामना करना पड़ा और उनकी बाजार हिस्सेदारी गिर गई। मार्केट रिसर्च फर्म स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स के अनुसार, एप्पल आईओएस/आईपैडओएस शिपमेंट (सेल-इन) 2021 की तीसरी तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़कर 17.3 मिलियन यूनिट हो गई। दुनिया भर में बाजार हिस्सेदारी 8 प्रतिशत अंक चढ़कर 38 प्रतिशत हो गई। शीर्ष एंड्रॉइड विक्रेता बने रहने के दौरान, सैमसंग टैबलेट शिपमेंट 23 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष घटकर 7.5 मिलियन यूनिट हो गई और इसी अवधि के दौरान इसकी बाजार हिस्सेदारी घटकर 17 प्रतिशत रह गई। लेनोवो टैबलेट शिपमेंट ने सभी एंड्रॉइड विक्रेताओं में से केवल साल-दर-साल वृद्धि 5 प्रतिशत पर 4.3 मिलियन यूनिट तक पहुंचने के लिए दिखाया है।अमेजन फायर टैबलेट शिपमेंट 24 प्रतिशत गिरकर 3.7 मिलियन यूनिट और हुआवेई टैबलेट शिपमेंट 64 प्रतिशत गिरकर तीसरी तिमाही में 1.8 मिलियन यूनिट हो गया। लेनोवो, डेल और एचपी जैसे विंडोज डिटैचेबल बेचने वाले विक्रेताओं ने तिमाही के दौरान स्वस्थ विकास दिखाया क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट अभी भी भूतल उपकरणों के पुराने पोर्टफोलियो के साथ काम कर रहा था। उद्योग विश्लेषक चिराग उपाध्याय ने कहा, चीन का टैबलेट बाजार तीसरी तिमाही में गर्म था और विक्रेता प्रदर्शन ने चीन में विक्रेता पहुंच और ब्रांड धारणा को प्रतिबिंबित किया। उदाहरण के लिए, ऐप्पल, लेनोवो, शाओमी और ऑनर ने साल-दर-साल सबसे मजबूत विकास दर पोस्ट की, जबकि सैमसंग, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ने विकास दर में दोहरे अंकों की गिरावट का अनुभव किया है। उन्होंने कहा, जैसा कि महामारी अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग समय में जीवन को बाधित करती है, हम उम्मीद करते हैं कि आपूर्ति तंग रहेगी और आम तौर पर पूर्व-महामारी के स्तर से अधिक रहने की मांग होगी।

## टेस्ला ने 2,750 से अधिक मॉडल 3, मॉडल वाई वाहनों को बुलाया वापस

**सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।**

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला 2,791 मॉडल 3 और मॉडल वाई वाहनों को वापस बुला रही है, क्योंकि उनके फ्रंट सस्पेंशन लेटरल लिंक फास्टनर ढीले हो सकते हैं, संभावित रूप से व्हील अलाइनमेंट को शिफ्ट कर सकते हैं और दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। इनगैजेट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रभावित वाहन मॉडल 3 और 2020 के 2019, 2020 और 2021 वर्जन और मॉडल वाई के 2021 वर्जन हैं। टेस्ला ने राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन को वापस बुलाने की सूचना दी है और 24 दिसंबर को प्रभावित मालिकों को अधिसूचना पत्र मेल करने की योजना है।कंपनी फास्टनरों को मुफ्त में बदलेगी। इस रिकॉल की संख्या एसपी-21-31-003 है।रिपोर्ट में कहा गया है कि यह टेस्ला की किताबों पर पहली बार याद करने से बहुत दूर है, और चीजों की भव्य योजना में, यह एक छोटी सी है। टेस्ला ने इस साल अकेले कुछ रिकॉल जारी किए हैं, जिनमें से एक फरवरी में अमेरिका में 135,000 वाहनों को प्रभावित किया है और दूसरा जून में 6,000 अमेरिकी वाहनों को प्रभावित किया है। ट्रिम-चिपकने वाली चिंताओं का हवाला देते हुए, जर्मन नियामकों ने इस साल फरवरी में 12,300 मॉडल एक्स ईवी की अतिरिक्त रिकॉल जारी की।

# आईओसी का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 6,360 करोड़ रुपये पर

**नयी दिल्ली (एजेंसी),**

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ मामूली बढ़कर 6,360.05 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। परिचालन के मोर्चे पर तिमाही के दौरान कंपनी का प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन भंडारण पर प्राप्ति कम होने से उसके मुनाफे में मामूली वृद्धि ही दर्ज हुई। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 6,360.05 करोड़ रुपये या 6.93 रुपये प्रति शेयर रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 6,227.31 करोड़ रुपये या 6.78 रुपये प्रति शेयर रहा था। अप्रैल-जून की तिमाही में कंपनी ने 5,941.37 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था अधिकारियों ने कहा कि तिमाही के दौरान मुनाफा स्थिर रहने की वजह यह है कि भंडारण पर कंपनी की प्राप्तियां कम रही हैं।

पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी को भंडारण पर अच्छा फायदा हुआ था। जब कोई कंपनी किसी समय कच्चा माल (इस मामले में कच्चा तेल) खरीदती है और बाद में उसे प्रसंस्कृत कर तैयार माल (पेट्रोल, डीजल) के रूप में बेचती है, तो उस समय दाम अधिक होने पर उसे जो फायदा होता है, उसे भंडारण लाभ कहा जाता है। इसकी उलट स्थिति में कंपनी को भंडारण पर नुकसान होता है। आईओसी ने कहा कि उसने जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान 1.9 करोड़ टन ईंधन बेचा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसकी बिक्री 1.77 करोड़ टन रही थी। तिमाही के दौरान कंपनी की रिफाइनरियों ने 1.52 करोड़ टन कच्चे तेल को ईंधन में बदला। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 1.39 करोड़ टन रहा था। तिमाही के दौरान कंपनी आमदनी 46 प्रतिशत बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 2021-22 के लिए पांच रुपये प्रति शेयर या 50 प्रतिशत के अंतरिम लाभांश को मंजूरी दी है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 51 प्रतिशत बढ़कर 12,301.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पहली छमाही में कंपनी की आय 2.04 लाख करोड़ रुपये से 3.24 लाख करोड़ रुपये हो गई।

# एलन मस्क 300 अरब डॉलर से अधिक संपत्ति वाले बने पहले व्यक्ति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क एक दिन में 10 अरब डॉलर की संपत्ति बढ़ोतरी के बाद 300 अरब डॉलर की नेटवर्थ पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, मस्क की कुल संपत्ति 302 बिलियन डॉलर हो गई। 10 अरब डॉलर की वृद्धि के बाद टेस्ला के शेयरों में वृद्धि हुई, इलेक्ट्रिक कार फर्म ने अपने 100,000 वाहनों को बनाने के लिए हर्ट्ज कंपनी के साथ एक बड़ा सौदा किया है। शुक्रवार को, माइक्रोसॉफ्ट ने 2.46 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के रूप में अपना मुकाम हासिल किया, एप्पल के शेयर में चार प्रतिशत गिरावट के बाद कुल मूल्य 2.41 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट ने लगातार 11वीं तिमाही में रेवेन्यू अनुमान से अधिक होने के बाद एप्पल को पीछे छोड़ा है। मस्क अब मिस्र, पुर्तगाल, जेक रिपब्लिक, ग्रीस, कतर और फिनलैंड जैसे देशों की वार्षिक जीडीपी से अधिक संपत्ति वाले हो गए हैं।

# टी 20 विश्व कप: धोनी के जख्मों पर मरहम लगाने उतरेगी विराट कोहली की सेना

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टी20 विश्व कप 2021 में अब टीम इंडिया का मुकाबला अब न्यूजीलैंड से होना है. भारतीय टीम पाकिस्तान से अपना पहला ही मुकाबला हार चुकी है और अब दूसरा मैच होना है. टीम इंडिया को हर हार में इस मैच को जीतना ही होगा. अगर ऐसा नहीं हुआ तो टीम इंडिया के लिए आगे की राह बहुत मुश्किल हो जाएगी. भारतीय टीम इस मैच में फिर से पूर्व कप्तान एमएस धोनी की मेंटॉरशिप में मैदान में उतरेगी. ये उनका दूसरा ही मैच होगा. पहले मैच में हार के बाद टीम इंडिया नए सिरे से रणनीति बनाने में जुटी हुई है और जीत के लिए अपना सब कुछ झोंकने के लिए तैयार है. हालांकि टीम इंडिया की राह आसान नहीं होने वाली. टीम इंडिया के लिए ये मैच जीतना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इस मैच में जीत से एमएस धोनी के जख्मों पर भी कोहली एंड कंपनी मरहम लगाना चाहेगी.

आपको याद होगा कि टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच विश्व कप 2019 में खेला था और ये मैच विश्व कप का सेमीफाइनल था. तब एमएस धोनी रन आउट होकर वापस पवेलियन लौट गए थे और ये मुकाबला न्यूजीलैंड से ही था. इस मैच में हार के बाद भारतीय टीम का विश्व कप जीतने का सपना भी अधूरा रह गया था. इसके बाद एमएस धोनी ने इंटरनेशनल मैचों से संन्यास तो नहीं लिया, लेकिन हां उन्होंने दूरी जरूर बना ली थी. लगातार कहा जा रहा था कि धोनी एक बार फिर वापसी करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और आखिरकार 15 अगस्त 2020 को एमएस धोनी ने शाम को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया. यानी ये उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच ही साबित हुआ. उस दिन जब धोनी रन आउट होकर वापस लौट रहे थे, तो सभी ने देखा कि वे बेहद दुखी थे. अब एक बार फिर टीम इंडिया के पास मौका है कि उस हार का बदला लिया जाए और एमएस धोनी को न्यूजीलैंड टीम ने जो जख्म दिए हैं, उन पर कुछ मरहम लगाया जाए.

उस मैच में एमएस धोनी विराट कोहली की कप्तानी में खेल रहे थे और अब वे विराट कोहली की कप्तानी में मेंटॉरशिप कर रहे हैं. बीसीसीआई ने खास बात करके एमएस धोनी को इस विश्व कप के लिए टीम के साथ जुड़ने के लिए कहा था, जिसको लेकर एमएस धोनी तैयार हो गए. खास बात ये है कि इसके लिए धोनी ने कोई रकम भी नहीं ली है, वे फ्री में टीम के साथ जुड़े हुए हैं. बतौर मेंटॉर एमएस धोनी को पहले ही मैच में पाकिस्तान के हाथों हार मिली, लेकिन अब वे किसी भी सूरत में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे. विराट कोहली भी इस विश्व कप के बाद टी20 की कप्तानी छोड़ देंगे. यानी उनका भी ये टी20 का आखिरी टूर्नामेंट है. विराट कोहली कितने महान बल्लेबाज हैं, इसमें तो किसी को भी कोई शक नहीं है, लेकिन कप्तानी को लेकर लगातार सवाल उठते रहते हैं. विराट कोहली चाहेंगे कि वे इस मैच में न केवल न्यूजीलैंड को हराएं, बल्कि आगे के मैचों में भी जीत हासिल कर टी20 विश्व कप दिलाएं. ताकि वे उन आलोचकों को भी जवाब दे सकें जो ये मान रहे हैं कि विराट कोहली कभी कोई आईसीसी की ट्रॉफी नहीं दिला सकते. देखना होगा कि धोनी और विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए क्या रणनीति बनाते हैं और ये कितनी कारगर साबित होगी.

## हॉकी मध्य प्रदेश ने सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का जीता खिताब

**झांसी (एजेंसी)।**

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2021 में शनिवार को यहां झांसी में हॉकी मध्य प्रदेश ने हॉकी हरियाणा को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया, जबकि हॉकी पंजाब ने हॉकी महाराष्ट्र को 2-1 से हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

हॉकी मध्य प्रदेश की कंचन निधि केरकेट्टा (9वें मिनट) ने हॉकी हरियाणा के खिलाफ फाइनल में गोल कर टीम को शुरू में ही बढ़त दिला दी थी, जिसके बाद हॉकी हरियाणा इस गोल का बराबरी भी न कर सकी और पूरे मैच के दौरान हॉकी मध्य प्रदेश ने शानदार खेल खेलकर टीम को जबरदस्त जीत दिलाई। हॉकी मध्य प्रदेश के कोच वंदना उइके ने कहा, टूर्नामेंट जीत कर अच्छा लग रहा है, हमने पहली बार हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती है। मैच बहुत अच्छा रहा। टीम की खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने विरोधी टीम पर अंत तक दबाव बनाकर रखा। दूसरी तरफ, शनिवार को हॉकी पंजाब ने हॉकी महाराष्ट्र को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। विजेता टीम की कप्तान रीना रानी (44वें) और सरबदीप कौर (50वें) ने एक-एक गोल किया, जबकि हॉकी महाराष्ट्र के लिए प्रिया दुबे (18वें) ने एकमात्र गोल किया।

## कप्तान कोहली ने मोहम्मद शमी का किया बचाव, बोले- धर्म के आधार पर हमला करना सबसे ज्यादा निंदनीय है

**नयी दिल्ली।** आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर-12 मुकाबले में भारत की भिड़ंत न्यूजीलैंड से होने वाली है। इस मुकाबले से पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का बचाव किया।

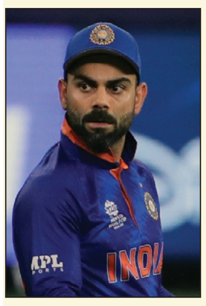

दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में मोहम्मद शमी सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए थे। जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की गईं। कप्तान कोहली ने कहा कि धर्म के आधार पर किसी पर हमला करना सबसे निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग अपनी पहचान छुपाकर ऐसी हरकतें करते हैं। आज के समय में ऐसा रेगुलर हो गया है और यह इन लोगों की जिन्दगी का सबसे निचला स्तर है। हम लोग ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों के साथ रहते हैं।

**न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए तैयार**

उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के लिए भारतीय टीम तैयार है और हमें यह पता है कि पाकिस्तान के खिलाफ कहां पर गलतियां हुई हैं, उसे हम सुधारने की कोशिश करेंगे।

## टी20 विश्व कप: हसरंगा की हैट्रिक नहीं आई काम, साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका को किया परास्त, मिलर ने खेली तूफानी पारी

**दुबई (एजेंसी)।**

टी20 विश्व कप के सुपर-12 मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट से जीत दर्ज की। साउथ अफ्रीका ने सर्वप्रथम टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और श्रीलंका की टीम को 142 रन पर आलआउट कर दिया। इस दौरान तबरेज शम्सी ने सबसे ज्यादा किफायदी गेंदबाजी की।

### गेंदबाजों ने दिखाया अपना जलबा

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाजों का इस मुकाबले में दबदबा रहा। तबरेज शम्सी ने सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं द्वैत प्रीटोरियस ने 3 और नार्खिया ने 2 विकेट हासिल किए।

### किलर-मिलर ने बदला मुकाबला

माकरम का हसरंगा के हाथों विकेट गंवाने के बाद साउथ अफ्रीका ने मैदान पर डेविड मिलर को भेजा और उन्होंने ताबड़तोड़

बल्लेबाजी करते हुए 13 गेंद में 2 छक्कों की मदद से बहुमूल्य 23 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं दूसरे छोर से कगिसो रबाड़ा ने उनका साथ दिया। उन्होंने 7 गेंद में एक चौका और एक छक्का की मदद से 13 रन बनाए।

### टी20 विश्व कप में हैट्रिक

साल 2007 में केप टाउन में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने हैट्रिक ली थी। इस सूची में अगला नाम कर्टिस कैंपर का है। जिन्होंने अबु धावी में नीदरलैंड के खिलाफ साल 2021 में हैट्रिक ली थी और अब एक और नाम जुड़ गया है वानिंदु हसरंगा का। उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर हैट्रिक झटकी है।

## सिंधू सेमीफाइनल में , लक्ष्य फ्रेंच ओपन से बाहर

**पेरिस।** भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि लक्ष्य सेन हारकर बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधू क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त बुसानन ओंगबामरुंगफान को 21 . 14, 21 . 14 से हराया। इसके साथ ही उनके खिलाफ सिंधू का जीत का रिकॉर्ड भी 14 . 1 हो गया। इससे पहले दूसरे दौर में उन्होंने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसन को 21-19, 21-9 से हराया था।यह मैच 37 मिनट तक चला। सिंधू का सामना अब जापान की सायाका ताकाहाशी से होगा। वहीं लक्ष्य सेन पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में कोरिया के हियो क्वांगी से 17 . 21, 15 . 21 से हार गए। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टरफाइनल में आरोन चिया और सोह वूई यिक की चौथी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से 21-18 18-21 17-21 से हार गयी। भारतीय जोड़ी ने हमवतन एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को 15-21, 21-10, 21-19 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। पुरुष एकल में सौरभ वर्मा हालांकि दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोतो से 12-21, 9-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले बोले अजहरुद्दीन, ईशान और अश्विन को प्लेइंग इलेवन में मिलना चाहिए मौका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टी-20 विश्व कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। भारत अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान से बुरी तरह से हार गया था। इसके बाद से टीम के चयन को लेकर भी लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। इन सबके बीच भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने प्लेइंग इलेवन को लेकर बड़ा बयान दिया है। अपने बयान में अजहरुद्दीन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को हर हाल में जीतने के लिए उतरना होगा। आपको बता दें कि न्यूजीलैंड को हराने के बाद भारत के लिए सेमीफाइनल का रास्ता आसान हो सकता है क्योंकि उसके बाद भारत को अफगानिस्तान, स्कॉटलैंड और नामीबिया जैसी कमजोर टीमों से भिड़ना होगा।

पहले मैच में हार के बाद माना जा रहा है कि टीम इंडिया में बड़े बदलाव हो सकते हैं। वरूण चक्रवर्ती की मिस्ट्री स्पिन पर भी अब सवाल उठाए जाने लगे। कप्तान विराट कोहली ने भी इस बात के संकेत दिए थे कि हमने अपना प्लेइंग बेस्ट उतारा था लेकिन अगर बदलाव की गुंजाइश होती है तो हम उस पर विचार करेंगे। इसी को लेकर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी अपनी राय रखी है। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने ट्विट्टर अकाउंट पर लिखा कि हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में पूरी तैयारी के साथ उतरना चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर यह भी कहा कि अगर हार्दिक पांड्या अनफिट हैं तो उनके जगह ईशान किशन को खेलने का मौका मिलना चाहिए और वरुण चक्रवर्ती की जगह आर अश्विन को टीम में शामिल किया जाना चाहिए। महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स की तर्ज पर भारतीय टीम प्रबंधन टी20 विश्व कप में रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 'करो या मरो' के मुकाबले में समान एकादश उतार सकता है। एक हार के बाद टीम में बदलाव नहीं करने की आदत सीएसके की रही है। भारतीय टीम भी उसी एकादश पर भरोसा कर सकती है जिसे पाकिस्तान ने दस विकेट से हराया था।

## टी20 मैचों में बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इस समय अपनी लाइफ के सबसे अच्छे दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक उन्होंने शानदान प्रदर्शन किया हैं।

दुबई में शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में बाबर आजम ने एक और रिकॉर्ड को अपने नाम किया। उन्होंने इस मैच में 45 गेंदों पर 51 रन बनाए और पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। जीत के हीरो रहे आसिफ अली ने 7 गेंदों में 25 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस दौरान, बाबर ने अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में कप्तान के तौर पर सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले कप्तान विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बाबर ने यह मुकाम महज 26 पारियों में पाया है वहीं, भारतीय कप्तान को एक हजार रन तक पहुंचने में 30 पारियां लगी थी। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस (31), ऑस्ट्रेलियाई एरोन

फिंच (32) और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन (36) टॉप फाइव में मौजूद हैं।इसके साथ ही पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में जीत की हैट्रिक लगाई है। वह अपने ग्रुप में टॉप पर बरकरार है।

## पाकिस्तान से हारने के बाद राशिद खान ने फैंस से मांगी माफी

**नई दिल्ली।** आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में शुक्रवार को दुबई में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच टक्कर का मुकाबला देखने को मिला। हालांकि इस मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हार मिली। इसे लेकर अफगानिस्तान का स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने देश और दुनियाभर के फैंस से माफी मांगी है। शुक्रवार को हुए मैच में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 47 गेंदों पर 51 रन और आसिफ अली ने 7 गेंदों पर 25 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस हार के बाद अफगान क्रिकेट फैंस से माफी मांगते हुए लेग स्पिनर ने कहा कि टीम ने उन्हें निराश किया। राशिद खान ने ट्विटर पर लिखा, सभी दुनियाभर के फैंस से मैं माफी मांगता हूं क्योंकि हमने आपको निराश किया। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले मैचों के लिए आपका समर्थन और दुआ हमाने लिए जरूरी होगी।

## आईपीएल 2022: कौन बनेगा लखनऊ की टीम का कप्तान, ये हैं दावेदार

**नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

आईपीएल 2022 की तैयारी जोरों पर है. बीसीसीआई ने दो नई टीमों का ऐलान कर दिया है. एक टीम लखनऊ की और दूसरी अहमदाबाद की होगी. यानी अब आईपीएल 2022 में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो जाएगी. हालांकि अभी ये पक्का नहीं है कि आईपीएल की पुरानी आठ टीमें कितने खिलाड़ियों को रिटेन करेंगी. लेकिन खबरें इस तरह की आ रही हैं कि सभी टीमों को चार चार खिलाड़ी रिटेन करने की परमीशन दी जाएगी. इसमें दो ऑप्शन होंगे. पहला तो ये कि वे दो भारतीय और दो विदेशी खिलाड़ी रिटेन कर सकती हैं, वहीं दूसरा ऑप्शन ये होगा कि वे तीन भारतीय और एक विदेशी खिलाड़ी को रिटेन कर पाएंगी. हालांकि बीसीसीआई की ओर से इस पर मोहर लगना अभी बाकी है. लेकिन इस बीच दो नई टीमों का कप्तान कोन होगा, ये भी सवाल उठने लगा है. इन दो के अलावा बाकी भी कुछ टीमें अपने कप्तान बदल सकती हैं.

खास तौर पर लखनऊ की टीम के कप्तान को लेकर लगातार बातें हो रही हैं. एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स को लेकर खबरें इस तरह की सामने आ रही हैं कि इस टीम में जो खिलाड़ी रिटेन किए जाएंगे, उसमें शायद सुरेश रैना का नाम न हो. सुरेश रैना ने आईपीएल 2020 को छोड़ दिया था. इसके बाद भी टीम ने उन्हें अपने साथ ही रखा, लेकिन इसके बाद जब आईपीएल 2021 शुरू हुआ तो उन्होंने टीम में वापसी की. लेकिन सुरेश रैना का बल्ला नहीं चला. वे लगातार अपने फार्म से जूझते हुए दिखाई दिए. शुरुआती मैचों में उन्हें मौका मिला, लेकिन बाद में जब वे रन नहीं बना पाए तो उन्हें बाहर बैठना पड़ा और उनकी जगह रॉबिन उथप्पा टीम में शामिल हुए और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन भी किया. इसके बाद वे फाइनल भी अपनी टीम के लिए नहीं खेल पाए. जब सीएसके ने ट्रॉफी पर कब्जा किया. ऐसे में इस बात की संभावना कम ही है कि वे रिटेन हों. ऐसे में लखनऊ की टीम की नजर उन पर जरूर होगी. क्योंकि सुरेश रैना यूपी के ही रहने वाले हैं और लखनऊ में खूब खेले भी हैं. वे इस टीम के कप्तान के दावेदार हो सकते हैं. इससे पहले वे गुजरात लायंस की कप्तानी कर भी चुके हैं.

लखनऊ की टीम के कप्तान के तौर पर दूसरा नाम स्टीव स्मिथ का आ सकता है. स्टीव स्मिथ इस वक्त दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें सभी मैच नहीं खेलाए गए. जब भी मौका मिला तो उनका बल्ला उस तरह से नहीं चला, जिसके लिए वे जाने जाते हैं. इससे पहले वे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान थे, लेकिन उन्हें टीम से हटा दिया गया था. जिस खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में ही मौका न मिल रहा हो, उसके बारे में ये सोचना कि टीम उसे रिटेन करेगी, समझ नहीं आता. दिल्ली कैपिटल्स के पास और भी कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें टीम पहले रिटेन करना चाहेगी. अगर वे रिलीज होते हैं तो लखनऊ की टीम उन्हें अपने पाले में कर सकती है. लखनऊ के टीम के मालिक संजीव गोयन्का ने जब आईपीएल टीम राइजिंग पुणे

सुपरज्वाइंट्स खरीदी थी तो एक सीजन में स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया भी था और वे टीम को फाइनल तक लेकर गए. इस बार भी अगर बात बनी तो स्टीव स्मिथ लखनऊ की टीम की कमान संभाल सकते हैं.

## डिकॉक ने टीम में वापसी पर घुटने के बल बैठ कर नस्लवाद का विरोध किया

**शारजाह।** दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाल क्विटन डिकॉक आईसीसी टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के लिये टीम में वापसी पर नस्लवाद के खिलाफ समर्थन करते हुए घुटने के बल बैठे। उन्होंने टीम के पिछले मैच में ऐसा करने से मना करते हुए खुद को चयन के लिए अनुपलब्ध करार दिया था। 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान के समर्थन में इस अनुभवी विकेटकीपर के टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ दोनों मैदानी अंपायरों ने भी घुटने के बल बैठ कर अपना समर्थन जताया। इससे पहले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच से पहले 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान के समर्थन में खिलाड़ियों को हर मैच से पहले घुटने के बल बैठने का निर्देश दिया था। इस निर्देश के बाद टीम में विवाद हो गया था और डिकॉक ने इसे मानने से इंकार करते हुए गत चैम्पियन वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच नहीं खेलने का फैसला किया था। डिकॉक ने हालांकि गुरुवार को टी20 विश्व कप के बाकी बचे मैचों के लिये स्वयं को उपलब्ध रखते हुए कहा कि यदि उनके घुटने के बल बैठने से दूसरों को शिक्षित करने में मदद मिलती है तो उन्हें इसमें दिक्कत नहीं है। डिकॉक ने कहा कि इससे पहले इस तरह बैठने से इन्कार करने पर उन्हें नस्लवादी कहा गया जिससे उन्हें काफी पीड़ा पहुंची।

# कैंडी ने दी पानी बचाने की सीख

कैंडी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, 'बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई।' कहानी सुनकर कैंडी बोली, 'दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा।' दादी बोलीं, 'बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न! हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें।' उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, 'चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में चारों ओर हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इनसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटी कौवी हमें कल बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं।' कैंडी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। वह बोलीं, 'हां कैंडी, मैंने कल टीवी में भी ऐसा ही कुछ देखा था। इंसानों की बस्ती में तो बहुत बुरा हाल होगा।'

दादी की बात सुनकर कैंडी उत्सुकता से बोली, 'दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी?' दादी बोलीं, 'ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो?'

कैंडी बोली, 'मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। कल तुम मुझे घुमाने के लिए इनसानों की बस्ती की ओर ले चलो न!' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम समझदार और होशियार हो। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि तुम कृष या डोरेमॉन की तरह लोगों की समस्याएं सुलझा सकती हो।'

दादी की बातें सुनकर कैंडी मुंह बनाते हुए बोली, 'दादी, प्लीज चलो न। अगर आप मेरे साथ चलोगी तो मम्मी-पापा भी कुछ नहीं कहेंगे। अकेले मुझे वो जाने नहीं देंगे।' दादी बोलीं, 'बेटी, मैं बूढ़ी हो गई हूं, अब इतनी दूर मुझसे नहीं उड़ा जाता।' कैंडी बोली, 'अरे दादीज़ब कैंडी है तो सुंदर एंडी है यानी कि हर चीज का सुंदर एंड होगा। अब आप मेरे साथ चल रही हो, बस।'

अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी कैंडी के साथ इनसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते दिल्ली पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। यह देखकर कैंडी बोली, 'उफ दादी, यहां से जल्दी चलो। बदबू के कारण दम घुट रहा है।' वे दोनों वहां से उड़ते हुए एक स्वच्छ बस्ती की ओर गईं।

वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर कैंडी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने कैंडी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, 'यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं।' यह सुनकर सब कैंडी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

नल बंद करके कैंडी दादी के पास पहुंची। दादी को कहीं से एक ब्रेड का पीस मिल गया था। दोनों ने उसे खाया। कैंडी बोली, 'दादी, यहां तो लोग सचमुच पानी की कीमत नहीं समझते। जिन्हें पानी आराम से मिल रहा है, वे उसे बरबाद कर रहे हैं।' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम सही कह रही हो। पता है, जब तुम नल बंद कर रही थीं, तो कई लोग तुम्हारी फोटो खींच रहे थे।' कैंडी बोली, 'हां दादी, मैंने देखा था। शायद उन्होंने मेरा वीडियो भी बनाया था।' दादी बोलीं, 'अब बोलो, अभी और कहीं चलना है?' कैंडी बोली, 'दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं।' इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए कैंडी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, 'बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है।' कैंडी दादी के लिए पानी ढूंढ़ने लगी। लेकिन वहां तो कहीं दूर-दूर तक पानी नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में कैंडी ने दादी को एक ओर बैठाया और पानी तलाश करने लगी।

काफी ढूंढ़ने के बाद उसे एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। कैंडी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहीं ले आई। फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर कैंडी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं। दादी बोलीं, 'कैंडी, आखिर तूने नए जमाने के हिसाब से पानी पीने का नया जुगाड़ कर ही दिया।'

घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि नंदनवन के सारे पशु-पक्षी कैंडी और दादी के स्वागत के लिए खड़े हैं। कैंडी ने हैरानी से अपनी मां से इसका कारण पूछा तो वह बोलीं, 'आज टीवी पर सुबह से बस एक ही न्यूज आ रही है कि कौवे ने इनसानों को पानी बचाने की सीख दी। उसमें दिखाए जा रहे वीडियो में तुम नल बंद करती हुई नजर आ रही हो।' यह सुनकर दादी कैंडी को गले लगाते हुए बोलीं, 'वाह कैंडी, तुम तो हमारे पुरखों से दस कदम आगे निकल गईं। तुमने इनसानों को पानी बचाने की सीख तो दी ही है, साथ ही घड़े से पानी पीने की नई तरकीब भी ढूंढ़ी है।' दादी की बातें सुनकर सभी ने कैंडी को कंधों पर उठा लिया और नंदनवन में जश्न की तैयारियां होने लगीं।

# टी बैग पर कलाकारी

न्यूयॉर्क में रहने वाली चित्रकार रूबी सिल्वियस ने बेकार टी बैग का फिर से इस्तेमाल करने का एक निराला तरीका तब निकाला, जब उन्होंने इस्तेमाल की गई गीली टी बैग को चित्रकारी करने के लिए एक कैनवास के रूप में देखा। उन्हें दूसरे लोगों से कुछ हटकर करना था, जिससे उन्हें अलग पहचान मिले। इसलिए बेकार टी बैग्स को अलग तरीके से अपनी चित्रकारी में ढालने के लिए उन्होंने यह अनूठा तरीका निकाला।

## 2015 में हुई इस अनूठी कला की शुरुआत

बेकार टी बैग को दोबारा इस्तेमाल करने का कमाल का विचार उन्हें वर्ष 2015 में आया था। उसी साल रूबी ने मात्र दो दिन की छुट्‌टी ले कर बाकि 363 दिन बिना रूके इस चित्रकारी को पूरा किया। इस कला को रूबी ने '363 दिन टी बैग'का नाम दिया है। इस कला को आगे जाकर रूबी ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया।

## दाग लगे टी बैग्स ही उनकी पहचान बने

जब रूबी की इस अनोखी कला के बारे में उनके परिजनों और दोस्तों ने जाना तो उन्होंने अपने इस्तेमाल हुए टी बैग को रूबी को देना शुरू किया। उन्होंने इन टी बैग्स के साथ कई प्रेरणात्मक संदेश भी लिख भेजे, ताकि रूबी अपने मुकाम को पा सकें। इन टी बैग्स का इस्तेमाल करते वक्त रूबी ने उन पर लगे दाग और फटे टुकड़ों को ही अपनी कला का बेस बना लिया, जिससे टी बैग्स पर की गई उनकी चित्रकारी को अलग पहचान मिली।

## कई शहरों में लगी प्रदर्शनी

आज रूबी की इस कला को तीन साल हो गए हैं। उनकी इस अनोखी कलाकारी की कई अन्य शहरों में प्रदर्शनी भी लगी हैं। उनकी सबसे बड़ी प्रदर्शनी 26 दिन की थी, जो जापान में लगी थी, जिसका नाम '26 दिन टी बैग' रखा गया। यह प्रदर्शनी साल 2016 में लगाई गई थी। इसमें रूबी ने वॉटर कलर, दवात, गौचे और कटे हुए ऑर्गेमी पेपर का इस्तेमाल किया था।

इसके साथ ही रूबी ने अपना ज्यादा से ज्यादा समय दूसरे कलाकारों के बीच गुजारा, ताकि अपनी आर्ट के लिए उन्हें और भी अलग-अलग विचार मिल सकें। वहीं उन्होंने चित्रकारी करने के लिए किसी प्राकृतिक जगह का चुनाव भी किया। फ्रांस में भी '26 दिन टी बैग' प्रदर्शनी 2017 में लगाई गई थी, जिसे देखने दुनिया के कई अलग-अलग शहरों से लोग पहुंचे थे।

## रूबी को नवाजे गए कई अवॉर्ड्स

रूबी अपनी कला में माहिर हैं। इसका अंदाजा तुम इसी बात से लगा सकते हो कि वह रोजमर्रा की चीजें, जैसे टी पॉट, शर्ट, छतरी, मग, पालतू जानवरों और गलियों व सड़कों को टी बैग पर कला के रूप में उतारती रहती हैं। उनकी इस कला के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से भी नवाजा गया है।

# सांप उतार सकता है केंचुली

हर जीव की त्वचा मृत होकर अपने आप किसी-किसी स्थान से उतरती रहती है। मगर सांप अपनी त्वचा के खराब होने पर इसे साल में तीन से चार बार उतारता है, जिसे केंचुली उतारना कहते हैं। अजगर साल में एक बार ही केंचुली बदलता है। केंचुली उतारने के बाद सांप की त्वचा की सफाई हो जाती है। किसी प्रकार का संक्रमण हो, तो वह भी ठीक हो जाता है। नई त्वचा काफी चिकनी और चमकदार आती है। केंचुली बदल जाने के बाद सांप काफी चुस्त और आकर्षक दिखता है। त्वचा में कुछ भी खराबी होने पर सांप एकांत स्थान पर चला जाता है। खाना भी छोड़ देता है। फिर वह बहुत कष्टकारी प्रक्रिया से गुजरता है। उसके मुंह के पास की त्वचा कुछ ढीली होती है। जबड़े के पास किसी पत्थर आदि से रगड़कर चीरा लगाता है। फिर पेड़, पत्थर, कांटों आदि से शरीर रगड़-रगड़कर पूरे शरीर की केंचुली उतार देता है। यह जादू केवल वही कर सकता है, हम नहीं।

# सबसे छोटा राज्य

क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे छोटा राज्य है गोवा। इसका कुल क्षेत्रफल केवल 3,702 वर्ग किलोमीटर है। भारत जब आजाद हुआ था, तब गोवा पर पुर्तगाल का कब्जा था। सन 1961 में भारत ने पुर्तगाल को खदेड़कर गोवा को अपना हिस्सा बनाया। तब गोवा एक केंद्र शासित प्रदेश बना था। 30 मई, 1987 को गोवा भारत का 25वां राज्य बना। गोवा अपने खूबसूरत समुद्री किनारों के लिए प्रसिद्ध है। पूरी दुनिया से पर्यटक यहां छुट्‌टी मनाने आते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## चीन, चमगादड़ या वुहान लैब, कहां से आया कोरोना? इस सवाल का कभी नहीं मिल पाएगा जवाब, अमेरिकी ने खड़े किए हाथ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

दुनिया के लाखों लोगों की मौत का जिम्मेदार कोरोना वायरस किस शहर से दुनिया में फैला है ये सवाल अब हमेशा के लिए सवाल बनकर ही रह जाएगा।अमेरिकी खुफिया एजेंसियां कोविड-19 की उत्पत्ति की पहचान में नाकामयाब साबित हुई हैं। एजेंसियों ने अपनी समीक्षा कहा है कि शायद इस बात का कभी पता न चल सके कि कोरोना वायरस जानवरों से इंसानों में आया या एक प्रयोगशाला से लीक हुआ है। द ऑफिस ऑफ़ द यूएस डायरेक्टर ऑफ़ नेशनल इंटेलिजेंस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सार्स-कोवि-2 ने पहले मनुष्यों को कैसे संक्रमित किया ये भरोसे के साथ नहीं कहा जा सकता है। ये प्रयोगशाला से निकली है या एक प्राकृतिक उत्पत्ति इसको लेकर विश्लेषकों की राय भिन्न है।

### कोरोना वायरस की उत?पत्ति जैविक हथियार के तौर पर हुई?

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार ओडीएनआई ने उन सुझावों को भी खारिज कर दिया कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति एक जैव हथियार के रूप में हुई थी। रिपोर्ट में कहा गया इस थ्योरी के समर्थकों के पास ÷वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी तक सीधी पहुंच नहीं है÷ और उन पर दुष्प्रचार फैलाने का आरोप लगाया गया है। शुक्रवार को जारी की गई रिपोर्ट 90-दिवसीय समीक्षा का एक अपडेट है जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने अगस्त में जारी किया था। चीन को वैश्विक महामारी के प्रभावों के लिए कितना दोषी ठहराया जाए, अमेरिका में इस बात पर गहन राजनीतिक अंतर्विरोध के बीच अध्ययन करने के आदेश दिए गए थे।

### ट्रंप ने बताया था चाइनीज वायरस

घातक महामारी ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया और डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव में हार का भी सामना करना पड़ा। उनके कई समर्थकों ने कोविड-19 को ÷चाइनीज वायरस÷ के रूप में संदर्भित किया। चीन के वुहान शहर का सी-फ़ूड मार्केट. कोविड-19 के कई सारे शुरुआती मामले इसी जगह सामने आए थे। मगर 18 महीने बीत जाने के बावजूद अब तक पता नहीं चल पाया है कि बेहद ख़तरनाक कोरोना वायरस इस मार्केट तक आखिर पहुंचा कैसे। कुछ अमेरिकी जासूसी एजेंसियों ने इस स्पष्टीकरण का पुरजोर समर्थन किया था कि

वायरस की उत्पत्ति प्रकृति में हुई थी। लेकिन इसकी बहुत कम पुष्टि हुई है कोविड की उत?पत्ति संक्रमित जानवर या संबंधित वायरस से हुई है। एक एजेंसी ने कहा कि उसे ठीकठाक भरोसा है कि पहला संक्रमण लैब का नतीजा था।

## सऊदी अरब और बहरीन ने लेबनान के राजदूतों को दो दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया

**बेरूत। (एजेंसी)।**

सऊदी अरब ने लेबनान के एक मंत्री की टिप्पणियों के जवाब में उसके राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया है और लेबनान से आयात पर रोक लगा दी है। लेबनान के मंत्री ने यमन में युद्ध को सऊदी ''आक्रामकता'' बताया था। इसके कुछ देर बाद शुक्रवार को बहरीन के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बहरीन ने लेबनान के राजदूत को दो दिनों के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। लेबनान के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने सऊदी अरब के निर्णय पर चर्चा की और तनाव कम करने की उम्मीद से ''उचित निर्णय'' लेने का आह्वान किया।

सऊदी अरब की सरकारी मीडिया ने अपनी खबर में कहा कि बेरूत में राज्य के राजदूत को भी स्वदेश लौटने के लिए कहा गया है। खबर में कहा गया है कि इस कदम से सऊदी अरब में रह रहे और यहां काम कर रहे उन हजारों लेबनानी नागरिकों और उनके परिवारों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेबनान से आयात पर प्रतिबंध लगाने का सऊदी का फैसला ऐसे समय में आया है जब लेबनान को विदेशी मुद्रा की अत्यंत जरूरत है जो इस समय सबसे खराब आर्थिक और वित्तीय संकट से गुजर रहा है। क्षेत्र की आर्थिक महाशक्ति सऊदी अरब दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों और निर्यातकों में से एक है और वह दशकों से लेबनानी उत्पादों का एक प्रमुख बाजार रहा है। यह फैसला सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो के कुछ दिनों बाद आया है जिसमें लेबनान के सूचना मंत्री जॉर्ज कोर्डाही ने यमन में युद्ध को सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के आक्रामकता के रूप में वर्णित किया था। उन्होंने कहा कि यमन में युद्ध ''बेतुका'' है और इसे रोकना चाहिए।

लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने कोर्डाही को फोन करने से पहले राष्ट्रपति मिशेल औन के साथ स्थिति पर चर्चा की और उनसे ''राष्ट्रीय हितों की खातिर उचित निर्णय लेने'' को कहा। मिकाती ने सऊदी के कदम के लिए खेद व्यक्त किया और राज्य से अपने फैसले की समीक्षा करने का आग्रह किया। मिकाती ने कहा कि उनकी सरकार सऊदी अरब के साथ ''गहरे भाईचारे के संबंधों'' को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी चीज को ''स्पष्ट रूप से खारिज'' करती है। मिकाती ने पहले कहा था कि कोर्डाही की टिप्पणियां सरकार की राय का प्रतिनिधित्व नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री ने यह टिप्पणी पिछले महीने पद पर कार्यभार संभालने से पहले की थी। पूर्व में टीवी कार्यक्रम के मेजबान रहे कोर्डाही ने सितंबर में इस पद के लिए चुने जाने से पहले एक टीवी कार्यक्रम पर यह टिप्पणी की थी। कोर्डाही ने इस सप्ताह बेरूत में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अपने साक्षात्कार के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया। यह साक्षात्कार पांच अगस्त को प्रसारित हुआ था। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद से, वह अपनी राय व्यक्त नहीं करने की सरकार की नीति का पालन करते हैं। कोर्डाही ने कहा, ''हमें लेबनान में किसी के ब्लैकमेल का शिकार नहीं होना चाहिए, चाहे वे देश हों, राजदूत हों या व्यक्ति हों।

## तालिबान के राजनयिक गुपचुप इस्लामाबाद में संभाल रहे कामकाज,पाकिस्तान ने दे दी मान्यता?

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

पाकिस्तान ने तालिबान द्वारा नियुक्त 'राजनयिकों' को अपने यहां अफगान दूतावास और वाणिज्य दूतावासों का प्रभार संभालने की चुपचाप अनुमति दे दी। शनिवार को एक खबर में यह जानकारी दी गयी। पाकिस्तान तालिबान को काबुल में वैध सरकार नहीं मानता, लेकिन फिर भी उसने तालिबान द्वारा नियुक्त 'राजनयिकों' को वीजा जारी किये। डॉन अखबार की खबर के अनुसार सरदार मुहम्मद शोकैब ने इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास में प्रथम सचिव के तौर पर कामकाज शुरू कर दिया है, वहीं हाफिज मोहिबुल्ला, मुल्ला गुलाम रसूल और मुल्ला मुहम्मद अब्बास को पेशावर, क्वेटा और कराची स्थित अफगानिस्तान के वाणिज्य दूतावासों के लिए भेजा गया है।

शोकैब प्रभावी तौर पर इस्लामाबाद में अफगान मामलों के प्रभारी होंगे। यहां अफगान दूतावास में जुलाई से कोई राजदूत नहीं है जब पिछली अफगान सरकार के अधीन पिछले राजदूत रहे नजीबुल्ला अलीखिल अपनी बेटी सिलसिला अलीखिल के कथित अपहरण के कारण पैदा हुए विवाद के बाद चले गये थे। शोकैब के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन वॉइस ऑफ अमेरिका की एक खबर के अनुसार वह जाबुल प्रांत के पश्तून मूल के नागरिक हैं जो दक्षिण कंधार में सूचना और संस्कृति विभाग में सेवाएं दे चुके हैं और तालिबान की एक पत्रिका से जुड़े थे। एक समय वह कारी यूसफ अहमदी के नाम से तालिबान प्रवक्ता के रूप में काम करते थे और उन्हें पाकिस्तान में गिरफ्तार किया गया था और बाद में वह कई साल तक पेशावर में रहे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता आसिम इफ्तिखार ने नयी नियुक्तियों के संबंध में खबर को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि यह 'प्रशासनिक मामला' है।

## मिलान की सड़कों पर एक भारतीय शख्स ने साड़ी पहनकर कराया फोटोशूट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

इटली के मिलान की सड़कों पर एक भारतीय शख्स ने ऐसा आउफिट पहना हुआ है जिससे सड़कों पर चल रहे सभी लोगों की नजरें हटने का नाम नहीं मिल रहा है। बता दें कि, इस शख्स ने हाई नेक टी-शर्ट के ऊपर काली साड़ी और ब्लेज़र पहना हुआ है। फेस पर दाढ़ी, आंखों में आधा धूप का चश्मा और माथे पर बड़ी लाल बिंदी लगाई हुई है। साथ ही एक हाथ में इस शख्स के छाता और दूसरे हाथ में बैग है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन अब इस शख्स का यह आउटफिट पूरी दुनिया में छा गया है। इंटरनेट पर भीड़-भाड़ वाली सड़क पर एक आदमी को साड़ी में घूमते देख कई लोग हैरान रह गए और इसके बाद इंटरनेट पर इसकी तस्वीरें तेजी से वायरल होने लगी और साथ ही कमेंट में लोग लिख रहे है कि, यह युवक कौन है? और यह शख्स इस तरह की पोशाक पहनकर मिलान के आसपास क्यों घूम रहा हैं।

कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायरल हुआ यह शख्स बंगाली है और यह कोलकाता का रहने वाला है। इसका नाम पुष्पक सेन है और वह इटली के फ्लोरेंस में फैशन मार्केटिंग और कम्युनिकेशंस की पढ़ाई कर रहा हैं। छब्बीस वर्षीय पुष्पक पढ़ाई के लिए इटली में है। बता दें कि, यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने साड़ी पहनी है। उन्होंने कॉलेज लाइफ में भी कई बार साड़ी पहनी थी। पुष्पक का एक इंस्टाग्राम अकाउंट है जिसका नाम देबांगमुंडा है। उन्होंने यह तस्वीर उसी अकाउंट पर पोस्ट की थी। पुष्पक ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य मिलान की गलियों में साड़ी पहनकर तस्वीरें लेना था। उनका एक लक्ष्य साड़ी पहनकर बंगाली संस्कृति को दुनिया को दिखाना है। पुष्पक ने पिछले साल नवंबर में भी सुर्खियां बटोरी थीं। जब उन्होंने अपनी साड़ी के अलावा लिपस्टिक और आईलाइनर की तस्वीरें पोस्ट कीं थी जिसके बाद पुष्पक की मां को काफी अपमानित किया गया था।

## अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था हो रही तबाह, आधी आबादी के पास खाने के लिए पर्याप्त मात्रा में नहीं है खाना

**संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।**

संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता मामलों के प्रमुख ने दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के नेताओं के बीच कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान की चिंता की जानी चाहिए क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था तबाह हो रही है और आधी आबादी के पास खाने के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्य पदार्थ नहीं होने का खतरा है तथा हिमपात भी शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता मामलों के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने शुक्रवार को द एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को एक साक्षात्कार में बताया, ''अफगानिस्तान में जरूरतें बढ़ रही हैं।'' उन्होंने कहा कि पांच साल से कम उम्र के आधे अफगान बच्चे गंभीर कुपोषण के खतरे का सामना कर रहे हैं और हर प्रांत में खसरा का प्रकोप है।

ग्रिफिथ्स ने चेतावनी दी कि खाद्य संकट पैदा होने से कुपोषण होता है और फिर बीमारी और मौत होती है और इस संबंध में उचित कदम नहीं उठाया गया तो दुनिया अफगानिस्तान में मौत देखेगी। डब्ल्यूएफपी (विश्व खाद्य कार्यक्रम) ने इस सप्ताह इस साल अंत तक अपने अभियानों के लिए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर के वित्तपोषण की अपील की है। ग्रिफिथ्स ने अमेरिका और उन यूरोपीय देशों से वित्तपोषण का आग्रह किया है, जिन्होंने 15 अगस्त को अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद इस देश को विकास सहायता बंद कर दी। उन्होंने कहा कि इस देश में मानवीय सहायता मुहैया कराने के लिए तत्काल कोष की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ 10 करोड़ यूरो की मदद मानवीय कार्य के लिए दे चुका है।

## उइगर मुसलमानों की किडनी-लीवर बेच अरबों की कमाई कर रहा चीन, रिपोर्ट में हुआ हैरतअंगेज खुलासा

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

चीन में उइगर मुस्लिमों पर किए जा रहे आत्याचारों की दांस्ता विभिन्न रिपोर्ट्स के माध्यम से लगातार सामने आती रहती हैं। अब एक नए रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन उइगर मुसलमानों के अंगों की कालाबाजारी कर अरबों रुपए की कमाई की है। अखबार हेराल्ड सन की रिपोर्ट के अनुसार करीब डेढ़ लाख लोगों को चीन में जबरन कैद करके रखा गया है। इस दौरान उन्हें जबरन उनके किडनी, लीवर जैसे अंग निकालकर बेचे जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उइगर मुसलमानों की नसबंदी भी की गई है। इसके साथ ही रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उइगरों को जबरन एजुकेशन सेंटर में भेजा जा रहा है और कैद करने के बाद उनकी बुरी तरह पिटाई भी की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया के अखबार की इस रिपोर्ट में कई बड़े-बड़े खुलासे किए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि एक स्वस्थ लिवर को बेचकर चीन लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये प्राप्त करता है और इस व्यापार में उसे सलाना 75 अरब रुपये के आसपास की कमाई होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन अस्पतालों में मानव अंग निकाले जाते हैं वो इन डिटेंशन कैंप से ज्यादा दूरी पर नहीं हैं। इसके साथ ही इसमें बताया गया है कि अस्पतालों में किए गये ऑपरेशन के आंकड़ों और वेटिंग लिस्ट से इस बात के संकेत मिलते हैं कि अंग निकालने की प्रक्रिया व्यापक पैमाने पर काफी पहले से चल रही है। लीवर के अलावा किडनी निकाल कर बेचने की बात भी सामने आई है। गौरतलब है कि चीन में मुसलमानों की आबादी 2.2 करोड़ है, यानी कुल आबादी का 1.6 फीसदी। चीन में इस्लाम मध्य पूर्व देशों के राजदूतों के जरिये अस्तित्व में आया। शिनजियांग की मुस्लिम आबादी को लंबी ढाढ़ी रखने की आजादी नहीं है। रोजा रखने की इजाजत नहीं है, बच्चे पैदा करने की आजादी नहीं है। महिलाओं को बुर्का पहनने की आजादी नहीं है त्योहार भी मनाने की आजादी नहीं है। उइगरों पर जुल्म की कितनी अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट और पड़तालें दुनिया के सामने आ चुकी हैं।

## सार समाचार

### बंदूकधारियों के हमले में बाल-बाल बचा अफगान पत्रकार, होंठ को छूते हुए निकली बुलेट

काबुल।अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक मोटरसाइकिल पर सवार बंदूकधारियों ने एक टीवी पत्रकार पर उनकी कार में गोली चलायी जिसमें वह मामूली रूप से घायल हो गए। तालिबान के उप प्रवक्ता बिलाल करीमी ने बताया कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के पत्रकार अली रेजा शरीफी शुक्रवार देर रात हुए हमले में बच गए हैं। उन्होंने कहा, ''हम दोषियां का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।'' अभी किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब कुछ दिनों पहले अफगानिस्तान की मीडिया निगरानी संस्था ने पिछले दो महीनों में अफगान पत्रकारों के खिलाफ हिंसा तथा धमकियों की 30 से अधिक घटनाओं की जानकारी दी। इनमें से करीब 90 प्रतिशत घटनाओं को तालिबान ने अंजाम दिया। शरीफी ने बताया कि वह घर जा रहे थे जब मोटरसाइकिल पर आए दो लोगों ने उनकी कार पर गोलियां चलायी। उन्होंने कहा, '' एक गोली मेरे होंठ को छूते हुए निकल गयी। कांच के टूटे हुए टुकड़े मेरी बायीं आंख पर लगे।'' शरीफी की कार की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की गयी जिसमें कार की एक खिड़की पर गोलियों से हुए कम से कम दो सुराख देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''उन्होंने सामने से गोलियां चलायीं और मैं बचकर पिछली सीट पर चला गया।'' अमेरिकी बलों के अगस्त में अफगानिस्तान से लौटने के बाद तीन पत्रकार मारे जा चुके हैं।

### पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अफगानिस्तान टीम को अच्छे प्रदर्शन की दी बधाई

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में अपनी टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिये अफगानिस्तान की तारीफ करते हुए कहा है कि युद्ध से जर्जर इस देश का भविष्य क्रिकेट में उज्जवल है। पाकिस्तान ने हालांकि 19वें ओवर में आसिफ अली के चार छक्कों की मदद से यह रोमांचक मुकाबला जीत लिया। इमरान ने शुक्रवार की रात ट्वीट किया ,'' टीम पाकिस्तान को बधाई। अफगानिस्तान ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया। किसी टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतनी तेजी से ऊपर चढते और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलते नहीं देखा।'' पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने कहा ,'' इस प्रतिस्पर्धी भाव और प्रतिभा के दम पर अफगानिस्तान में क्रिकेट का भविष्य उज्जवल लग रहा है।

### टीएलपी प्रदर्शनकारियों की ओर से सब-मशीन गन से फायरिंग करने पर हैरान पाकिस्तानी पुलिस

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर (आईएएनएस)। पाकिस्तान में हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक में एक रिपोर्ट पर बड़ी चिंता के साथ चर्चा की गई, जिसमें कहा गया है कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के लोगों ने कमोके हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर सब-मशीन गन (एसएमजी) का इस्तेमाल किया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पाकिस्तानी अखबार डॉन को बताया कि बैठक में परेशान करने वाले दृश्य को रिकॉर्ड करने वाला एक मोबाइल फोन फुटेज भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें पांच टीएलपी हथियारबंद लोग कई एसएमजी का इस्तेमाल कर रहे थे और वे सुरक्षित स्थान के लिए भाग रहे पुलिसकर्मियों पर सीधे फायरिंग कर रहे थे। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि हथियारबंद लोगों ने 80 राउंड एसएमजी फायरिंग की, जिसके संबंध में कुछ सबूत भी घटनास्थल से बरामद किए गए हैं और इन्हें फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है। कानून लागू करने वालों पर सशस्त्र हमलों की अन्य घटनाएं भी उसी प्वाइंट या बिंदु पर दर्ज की गईं, जहां दो पुलिसकर्मियों की कई गोलियां लगने से मौत हो गई थी, जबकि 16 अन्य घातक हथियारों का उपयोग करके टीएलपी द्वारा चलाई गई गोलियों से घायल हो गए थे।

### भारत और इटली ने ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का लिया संकल्प

नई दिल्ली/रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इतालवी समकक्ष मारियो द्राघी ने शनिवार को जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए स्वच्छ ऊर्जा ट्रैन्जिशन में तेजी लाने से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे सहित रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया। 30-31 अक्टूबर, 2021 को रोम में इटली द्वारा आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के मौके पर एक द्विपक्षीय बैठक में, मोदी और द्राघी ने 6 नवंबर, 2020 को भारत और इटली (2020-2024) के बीच एक बढ़ी हुई साझेदारी के लिए कार्य योजना को अपनाने के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति को स्वीकार किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इतालवी समकक्ष मारियो द्राघी ने अपनी पहली व्यक्तिगत बैठक में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों और अफगानिस्तान में व्याप्त अस्थिर स्थिति समेत अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने 8 मई, 2021 को पोटरे में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक को भी याद किया, जहां यूरोपीय संघ और भारत ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण संबंधी चुनौतियों से निपटने पर प्रकाश डाला था। उन्होंने 8 मई, 2021 को पोटरे में आयोजित भारत-यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक को भी याद किया, जहां यूरोपीय संघ और भारत ने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और प्रदूषण की अन्योन्याश्रित चुनौतियों को संबोधित करने की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला और तैनाती में तेजी लाने के लिए सहयोग को गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा वह अपतटीय पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों की तैनाती और हरित हाइड्रोजन की क्षमता का दोहन, ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने, स्मार्ट ग्रिड और भंडारण प्रौद्योगिकियों के विकास, बिजली बाजार के आधुनिकीकरण सहित नवीकरणीय ऊर्जा की तैनाती में तेजी लाने के लिए सहयोग को गहरा करने पर भी सहमत हुए।

## सार समाचार

### दिल्ली में मतदाता सूची संशोधन अभियान को 'वोटर उत्सव' के रूप में मनाया जाएगा

नयी दिल्ली। दिल्ली की मतदाता सूची में विशेष संशोधन के दौरान एक नवंबर से मतदाताओं के नाम दर्ज करने के लिए जागरूकता संदेशों के प्रचार के लिए शहर में बसों पर पोस्टर लगाए जाएंगे और सोशल मीडिया पर अभियान चलाया जाएगा। चुनाव अधिकारियों ने इसे मतदाताओं के लिए एक महीने तक चलने वाले उत्सव के रूप में मनाने की योजना बनाई है। इस अभ्यास के दौरान, कोई भी व्यक्ति जिसकी उम्र 1 जनवरी, 2022 को 18 साल हो रही हो या उससे ज्यादा हो तो वे मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराने के पात्र होंगे। अंतिम सूची पांच जनवरी को प्रकाशित होगी। दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय इसप्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने और किसी भी मतदाता का नाम न छूट पाए, इसे सुनिश्चित करने की तैयारी में लगा है। जागरूकता अभियान के पोस्टर में 'दिल्ली का वोटर उत्सव' और 'चलो वोटर बनें हम' को 'टैगलाइन' बनाया गया है। दिल्ली में इससे पहले मतदाता सूची जनवरी 2021 में प्रकाशित हुई थी, जिसके अनुसार उस समय शहर में पात्र मतदाताओं की कुल संख्या 1.48 करोड़ से अधिक थी।

### किसानों को मुआवजा नहीं दिये जाने को लेकर महाराष्ट्र भाजपा एक नवंबर को विरोध करेगी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी की महाराष्ट्र इकाई ने शनिवार को घोषणा की कि वह अधिक वर्षा के कारण नुकसान का सामना करने वाले किसानों की समस्याओं को दूर करने में राज्य सरकार की विफलता के विरोध में सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी नेताओं ने सार्वजनिक स्थानों पर बांहों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराने का फैसला किया है। उपाध्याय ने कहा, ''पार्टी ने सार्वजनिक स्थानों पर काली पट्टी बांधकर सोमवार को विरोध दर्ज कराने का फैसला किया है। स्थानीय नेता संबंधित सरकारी कार्यालयों में मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपेंगे।'' उन्होंने कहा कि राज्य भाजपा एमवीए सरकार की संवेदनहीनता से स्तब्ध है, क्योंकि अधिक वर्षा के कारण लाखों किसानों की फसल, मिट्टी और आजीविका चली गई है। भाजपा नेता ने कहा, ''कई गांवों और जिलों में नुकसान का आकलन अभी पूरा नहीं हुआ है। किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। ऐसा लगता है कि यह सरकार किसानों की दुर्दशा से ज्यादा एक हिंदी फिल्म अभिनेता के बेटे में दिलचस्पी रखती है।'' प्रवक्ता ने कहा कि राज्य चीनी आयुक्तालय का निर्णय भी किसानों के खिलाफ है, क्योंकि चीनी मिलों द्वारा किसानों को भुगतान की गई खरीद राशि से बिजली खर्च काट लिया जाएगा, जिससे उनकी कमाई में और कमी आएगी।

### मुल्लापेरियार बांध से पानी छोड़े जाने के बारे में स्पष्टीकरण दें स्टालिन: अन्नाद्रमुक

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने शनिवार को मांग की कि केरल द्वारा मुल्लापेरियार बांध से पानी छोड़ने के विषय पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन स्पष्टीकरण दें और इस मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करें। अन्नाद्रमुक के समन्वयक ओ पनीरसेल्वम ने बांध की पूर्ण क्षमता 142 फुट तक जलस्तर पहुंचने से पहले ही पानी छोड़े जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए दावा किया कि केरल ने शुक्रवार को तमिलनाडु के अधिकारियों की उपस्थिति में मुल्लापेरियार बांध से 514 क्यूसेक पानी छोड़ा। पनीरसेल्वम ने यहां जारी एक वक्तव्य में केरल सरकार पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के खिलाफ जाने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि 2014 में न्यायालय ने कहा था कि मुल्लापेरियार बांध में 142 फुट तक पानी का संग्रह किया जा सकता है। इसमें उन्होंने कहा, ''मीडिया में आई खबरों में बताया गया कि केरल के सिंचाई मंत्री, केरल के राजस्व मंत्री और इडुक्की के जिलाधिकारी की मौजूदगी में केरल ने इस जलाशय से 514 क्यूसेक पानी छोड़ा।

### वायु प्रदूषण फैलाने के लिये उत्तर प्रदेश में दो फैक्ट्रियों पर जुर्माना

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीसीबी) ने वायु प्रदूषण की शिकायतों मिलने के बाद मुजफ्फरनगर की दो फैक्ट्रियों पर जुर्माना लगाया है। यूपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह के मुताबिक जानसठ रोड स्थित विनायक इंडस्ट्रीज पर (अब से)6,250 रुपये प्रति दिन का जुर्माना लगाया गया है। एक अन्य मामले में बोर्ड ने जॉली रोड पर स्थित एक फैक्ट्री पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया, जो अपने उत्पादन में प्लास्टिक कचरे का उपयोग करती है जिससे प्रदूषण होता है।

### मछुआरों से मिले राहुल गांधी, बोले- गोवा को हम कोल हब नहीं बनने देंगे, केंद्र पर भी साधा निशाना

पणजी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को गोवा में मछुआरों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की नफरत, गुस्से और विभाजन पर हमारी प्रतिक्रिया प्रेम और स्नेह है। उन्होंने कहा कि जब यूपीए सरकार सत्ता में थी तब पेट्रोल के इंटरनेशनल दाम 140 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गए थे। आज पेट्रोल और डीजल के इंटरनेशनल दाम जब हम सत्ता में थे उससे काफी कम हैं लेकिन आपको पेट्रोल और डीजल के लिए बहुत ज़्यादा भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आपके दिल में क्या है, आपके दिमाग में क्या है, यह सुनने में मुझे बहुत दिलचस्पी है। इसी बीच उन्होंने गोवा के लिए अपनी रणनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गोवा के लोगों की आवाज और उनके हितों की रक्षा ही हमारी रणनीति है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं आपके विचारों को सुनना चाहता हूं कि आप क्या सामना कर रहे हैं, समुद्र आपके साथ कैसा व्यवहार कर रहा है, चीजें कैसे बदल रही हैं, पर्यावरण कैसे बदल रहा है।

## पृथ्वी के भीतर भी बसती है एक अलग दुनिया, रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों को मिले चौंकाने वाले साक्ष्य

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

पृथ्वी की संरचना के विषय मे हाल ही के दिनों में हो रहे शोध में कुछ ऐसे चौंकाने वाले तथ्य सामने आते हैं जो मानव जाति के ज्ञान में एक नया अध्याय तो जोड़ते ही है साथ ही सनातन धर्म में बताए गए पाताल लोक को एक वैज्ञानिक आधार भी प्रदान करते हैं। अभी तक की रिसर्च के आधर पर वैज्ञानिक ये मानते थे कि हमारी धरती का केंद्र इनर कोर ठोस है, जिसके बाहर तरल मौजूद है, लेकिन नई रिसर्च में सामने आया है कि यह पूरी तरह से ठोस नहीं है। नए शोध के अनुसार पृथ्वी का इनर कोर, जिसे भारतीय लोग पाताल लोक कहते हैं। उसकी पहली परत ठोस है, तो उसके बाद दूसरी परत कुछ नरम है, वहीं तीसरी परत में तरल धातु होती है।

पृथ्वी की आंतरिक संरचना के विषय मे जितने भी सोध हुए हैं उनसे पता चलता है कि ये काफी रहस्यमय और जटिल है। नए शोध ने व्यज्ञानिकों के उस दावे को गलत साबित कर दिया है जिनमे बताया गया था कि पृथ्वी का आर्तरिक हिस्सा यानी केंद्र खोखला है।नई रिसर्च में सामने आया कि हमारा ग्रह खोखला नहीं है।

### पृथ्वी के केंद्र में हो सकती है नई दुनिया

भूवैज्ञानिक बता रहे हैं कि उन्होंने भूकंपों से उठने वाली भूगर्भीय तरंगों का अध्यन किया। उन्होंने बताया कि अध्ययन में पता चला कि कुछ तरंगे इनर कोर से टकराकर वापस लौट आईं, जबकि कुछ उसे पार कर गईं। अगर पूरी कोर ठोस होती तो सभी तरंगों को वापस लौटना था। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि पृथ्वी के भीतर भी एक नई दुनिया हो सकती है। भूवैज्ञानिक रेट बटलर के अनुसार सतह स्व 150 मील तक कठोर नरम और तरल धातुओं की परतें हैं। वैज्ञानिक ये भी दावा कर रहे हैं कि पृथ्वी के कोर में एक चुम्बकीय क्षेत्र है जो पृथ्वी को रेगिस्तान नहीं बनने देता। अभी तक शोध में जो बातें सामने आती हैं उन अनुसार अभी तक कोई भी इंसान या मशीन उस गहराई तक जाने में सक्षम नही है।

### रिसर्च से सनातन धर्म ग्रंथों के कथानक को मिला वैज्ञानिक आधार

वैदिक सनातन धर्म के सभी ग्रंथों में पाताल लोक से जुड़ी कथाओं का वर्णन है पर आधुनिक विज्ञान पृथ्वी की सतह के नीचे जीवन की बात को नकारता रहा है। ताजा रिसर्च ने वैज्ञानिको के दावों को गलत साबित करते हुए न सिर्फ नए शोध के लिए रास्ता खोला है बल्कि भारतीय धर्म ग्रंथों को काल्पनिक बताने वालों को भी गलत साबित कर दिया है।

### नई रिसर्च ने वैज्ञानिकों के बीच दिया नए विमर्श को जन्म

पृथ्वी का ऊपरी हिस्सा जितना रहस्यों से भरा हुआ है, उससे भी ज्यादा रहस्य पृथ्वी के आंतरिक हिस्से में हैं। शायद यहां कोई नई दुनिया हो? या फिर पृथ्वी का आंतरिक हिस्सा कई ऐसे तरल पदार्थों से भरा हो, जिन्हें हम अभी तक जानते ही न हों। इन सभी बातों को ले कर वैज्ञानिकों में अलग अलग मत हैं। जिनको लेकर शोध हो रहे हैं। पृथ्वी की आंतरिक संरचना तीन प्रमुख परतों से हुई है।

### ऊपरी सतह भूपर्पटी यानी क्रस्ट, मध्य स्तर मैंटल और आंतरिक और बाहरी स्तर-क्रोड

इनमें से बाहरी क्रोड तरल अवस्था में है। यह आंतरिक क्रोड के साथ क्रिया कर पृथ्वी में चुंबकीय क्षेत्र पैदा करता है। ऐसा अनुमान है कि महासागरों के नीचे की परत लगभग

पाँच किलोमीटर मोटी हो सकती है। लेकिन यह छोटी सी परत कई प्रकाश वर्षों के समान भी हो सकती है, क्योंकि इसके बारे में हमारा ज्ञान बहुत कम है। पृथ्वी के आवरण में मौजूद चट्टानों का महासागरों के निर्माण में योगदान का संकेत मिलता है। इन रहस्यमयी चट्टानों में पानी के अंश भी मिलता है। तमाम जटिलता को छोड़ कर अगर सामान्य बात की जाए तो जहाँ जल है वहाँ जीवन भी है।

## संक्रमण के मामलों में वृद्धि, केंद्र ने कोविड-19 उचित व्यवहार को सख्ती से लागू करने का दिया आदेश

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

असम और पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के मामलों और साप्ताहिक संक्रमण दर में वृद्धि और जांच आंकड़ों में कमी के मद्देनजर केंद्र ने राज्य सरकारों से कोविड-उपयुक्त व्यवहार को सख्ती से लागू करने पर जोर देते हुए इन मापदंडों की समीक्षा करने को कहा है। असम और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिवों को 26 अक्टूबर को लिखे एक पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव आरती अहूजा ने पिछले सप्ताह (20-26 अक्टूबर) से साप्ताहिक नए मामलों में वृद्धि और पिछले चार सप्ताह से 25 अक्टूबर तक संक्रमण के मामलों में वृद्धि के शुरुआती संकेत को उजागर किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 22 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल को पत्र लिखा था और इस महीने की शुरुआत में दुर्गा पूजा के बाद कोलकाता में संक्रमण के मामलों में वृद्धि पर चिंता जाहिर की थी। असम को लिखे पत्र में अहूजा ने कहा कि पिछले सप्ताह (20-26 अक्टूबर) से साप्ताहिक नए मामलों में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिछले चार सप्ताह से संक्रमण के प्रसार में वृद्धि के भी संकेत मिले हैं। 28 सितंबर-चार अक्टूबर के बीच यह 1.89 प्रतिशत थी जो 19-25 अक्टूबर के बीच बढ़कर 2.22 फीसदी हो गई। वहीं राज्य में 28 सितंबर से चार अक्टूबर के बीच 1,64,071 नमूनों की जांच हुई जबकि 19 से 25 अक्टूबर के बीच 1,27,048 नमूनों की जांच हुई। संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच राज्य को जांच में वृद्धि करने की जरूरत है। असम में बारपेटा और कामरूप मेट्रो जिले को कोविड-19 के मामले और साप्ताहिक संक्रमण के मामलों को चिंता के दायरे में बताया गया है।

इसी तरह पश्चिम बंगाल में कोलकाता और हावड़ा को भी संक्रमण की अधिकता की वजह से चिंता के दायरे में बताया गया है। अहूजा ने कहा कि पिछले सप्ताह से पश्चिम बंगाल में साप्ताहिक नए मामलों में 41 फीसदी की वृद्धि हुई। पिछले सप्ताह 20-26 अक्टूबर के बीच 6,040 मामले सामने आए जबकि 13-19 अक्टूबर के 4,277 मामले सामने आए थे। वहीं पश्चिम बंगाल में 28 सितंबर-चार अक्टूबर के बीच 2,62,319 नमूनों की जांच हुई थी, जबकि 19-25 अक्टूबर के बीच 2,61,515 नमूनों की जांच हुई।

## खाद्य अपमिश्रण मामले में आरोपी को नमूना जांच के लिए भेजने का अधिकार: न्यायालय

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

उच्चतम न्यायालय ने खाद्य मिलावट के एक मामले में एक दुकानदार की दोषसिद्धि और उसे सुनायी गयी सजा को रद्द करते हुए कहा कि आरोपी को भी नमूने विश्लेषण के लिए केंद्रीय खाद्य प्रयोगशाला में भेजने का अधिकार है। न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति अभय एस ओका की पीठ ने कहा कि खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 की धारा 13 के तहत स्थानीय (स्वास्थ्य) प्राधिकार के लिए यह अनिवार्य है कि जिस व्यक्ति से खाद्य सामग्री का नमूना लिया गया है उसे सरकारी विश्लेषक की रिपोर्ट की प्रति मुहैया करवाई जाए। पीठ ने कहा, ''आरोपी रिपोर्ट को गलत बता सकता है, यह उसका अधिकार है।

इसके अलावा रिपोर्ट प्राप्ति के दस दिन के भीतर, खाद्य नमूने को केंद्रीय खाद्य प्रयोगशाला में विश्लेषण के लिए भेजने संबंधी आवेदन देने का भी उसे अधिकार है।'' न्यायालय नारायण प्रसाद साहू नाम के व्यक्ति की अपील पर सुनवाई कर रहा था जिसने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उनकी पुनर्विचार यायिका को खारिज करने के आदेश को चुनौती दी है। मामला 16 जनवरी 2002 का है, जब कागपुर के साप्ताहिक बाजार में चना दाल बेच रहे साहू की इस सामग्री का नमूना सरकारी विश्लेषक के पास भेजा गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक सामग्री में मिलावट पाई गई जिसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ने साहू को दोषी करार देते हुए छह महीने के सश्रम कारावास की सजा दी तथा एक हजार रूपये का जुर्माना लगाया। साहू ने उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर की जिसे 2018 में खारिज कर दिया गया।

## कांग्रेस के साथ वार्ता की खबरें गलत, मेल-मिलाप का समय अब समाप्त हो गया है: कैप्टन अमरिंदर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

पंजाब में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। ऐसे में वहां की राजनीति को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हाल में ही कैप्टन अमरिंदर सिंह ने ऐलान किया था कि वह अपनी अलग पार्टी बनाएंगे। इन सब के बीच खबर यह भी है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी पूर्व पार्टी कांग्रेस के साथ वार्ता कर रहे हैं। इस खबर को कैप्टन अमरिंदर सिंह की ओर से पूरी तरह से गलत बताया गया है। कैप्टन अमरिंदर के सहयोगी रवीन ठुकराल ने कहा कि कांग्रेस के साथ बैकएंड में कोई वार्ता नहीं हो रही है। मेल-मिलाप का आप समय समाप्त हो गया है। मैं सोनिया गांधी जी का उनके समर्थन के लिए आभारी हूं लेकिन अब कांग्रेस में नहीं रहूंगा।

इसके साथ ही अमरिंदर सिंह की ओर से कहा गया कि मैं जल्दी अपनी पार्टी बना लूंगा और किसानों का मुद्दा सुलझने के बाद पंजाब चुनाव के लिए भाजपा, अलग हुए अकाली गुटों और अन्य के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं पंजाब और उसके किसानों के हित में मजबूत सामूहिक ताकत बनाना चाहता हूं। आपको बता दें कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह एक नयी पार्टी बना रहे हैं और

इसके नाम व चुनाव चिह्न को निर्वाचन आयोग की मंजूरी मिल जाने पर वह इसकी घोषणा करेंगे। साथ ही, उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कई लोग उनसे संपर्क में हैं।

सिंह ने पिछले महीने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अपने प्रथम संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि मैं एक पार्टी का गठन कर रहा हूं। जब निर्वाचन आयोग नाम और चिह्न को मंजूरी दे देगा, तभी जाकर मैं आपको इसकी जानकारी दे सकूंगा। आयोग की मंजूरी का इंतजार करिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि वह केंद्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के मुद्दे के हल के लिए बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलेंगे।

## असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा ऐलान, कहा- महाराष्ट्र में सभी चुनाव लड़ेगी एआईएमआईएम

औरंगाबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) महाराष्ट्र में होने वाले सभी चुनाव लड़ेगी और आवश्यकता पड़ने पर किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करने का विकल्प भी खुला रखेगी। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को यह बात कही। औरंगाबाद के दो दिवसीय दौरे पर आए ओवैसी ने चीन और कश्मीर के मुद्दों से निपटने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना भी की और कहा कि केंद्र सरकार इन मुद्दों से निपटने में नाकाम रही है। ओवैसी ने कहा, ''चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है, लेकिन सरकार इस बात को स्वीकार करने से इनकार कर रही है। यदि हमारी जमीन पर किसी ने भी कब्जा नहीं किया हुआ है, तो भारत और चीन के बीच अब तक कई दौर की बातचीत क्यों हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल को लद्दाख ले जाकर वास्तविकता दिखानी चाहिए। लेकिन भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस मुद्दे को लेकर चुप हैं।'' एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त कर वहां जमीनी हालात में कोई परिवर्तन नहीं आया है तथा आतंकवादी हमलों में जवानों और आम नागरिकों की हत्याएं हो रही हैं।

## देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना जरूरी: बिरला

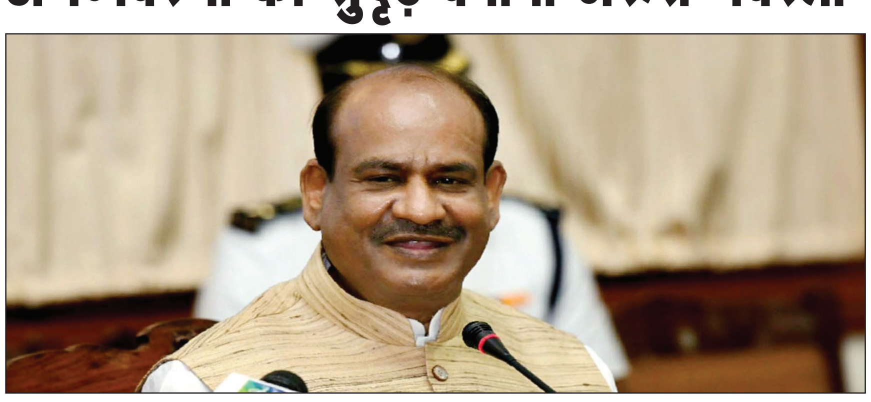

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है, ऐसे में युवाओं को प्रौद्योगिकी युक्त समाधान के लिये कृषि क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नॉलॉजी (आईआईआईटी), कोटा के प्रथम दीक्षांत समारोह को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। बिरला ने छात्रों से कहा कि तकनीकी क्षेत्र से जुड़े होने के कारण उनका दायित्व है कि वे देश को हर परिवर्तन के लिए तैयार रखें और इसके लिए उन्हें नई विधाओं, नए विचारों और नए व्यवहारों के साथ कार्य करके, अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उपयोग करना होगा।

उन्होंने युवाओं को नये भारत का अग्रदूत करार देते हुए कहा कि भारत का युवा अपने नवाचार, शोध एवं कार्यकुशलता से देश को मजबूत बना सकता है। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, बिरला ने कोरोना वैश्विक महामारी का जिक्र करते हुए कहा कि एक- दूसरे से जुड़े एवं एक- दूसरे पर निर्भर विश्व में आत्मनिर्भरता आवश्यक है तथा छात्रों की सामूहिक शक्ति आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को एक नई गति दे रही है।

बिरला ने कहा, ''देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। ऐसे में नौजवानों को कृषि क्षेत्र में कार्य करने और इसके लिए तकनीकी युक्त समाधान देने की जरूरत है।'' उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जल्दी ही आईआईआईटी कोटा का अपना सर्व सुविधा युक्त परिसर तैयार हो जाएगा।

## केंद्र गंगा की सहायक नदियों के लिए न्यूनतम प्रवाह की सीमा तय करने की योजना बना रहा

**मुंबई (एजेंसी)।**

नयी दिल्ली। केंद्र यमुना जैसी गंगा की विभिन्न सहायक नदियों में निर्बाध प्रवाह के लिए पानी के न्यूनतम प्रवाह की सीमा निर्धारित करने की योजना बना रहा है, जिससे इसकी सफाई सुनिश्चित होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वर्ष 2018 में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने गंगा के लिए ई-प्रवाह अधिसूचना जारी की, जो नदी के पारिस्थितिक तंत्र के घटकों, कार्यों, प्रक्रियाओं और लचीलेपन को बनाए रखने के लिए आवश्यक जल प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समय को संदर्भित करती है। एनएमसीजी के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा ने कहा कि इसी तर्ज पर एनएमसीजी अब यमुना जैसी गंगा की विभिन्न सहायक नदियों में पानी के न्यूनतम प्रवाह की सीमा निर्धारित करने की योजना बना रहा है ताकि इसकी स्वच्छता सुनिश्चित हो सके।

मिश्रा ने पीटीआई-को बताया, ''पानी के न्यूनतम प्रवाह को निर्धारित करने से हमें गंगा नदी के निरंतर प्रवाह को बनाए रखने में मदद मिली है। इसके अलावा,यमुना और गंगा की अन्य सहायक नदियों के न्यूनतम प्रवाह को बनाए रखने के लिए पर्यावरणीय प्रवाह का विस्तृत साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन करके तकनीकी और विश्लेषणात्मक सहायता प्रदान करने की योजना है, जहां मानवीय हस्तक्षेप के बाद प्रवाह में महत्वपूर्ण बदलाव आया है।'' मिश्रा ने कहा कि गंगा नदी प्रणाली की छोटी नदियों और सहायक नदियों के संबंध में पर्यावरणीय प्रवाह के आकलन की दिशा में अध्ययन करने का प्रस्ताव है। उन्होंने आगे कहा कि एनएमसीजी भूजल और अन्य जलाशयों को 'रिचार्ज' करने को बढ़ावा देने के लिए 'इन्वेंट्री' बनाकर तथा एकीकृत बेसिन प्रबंधन योजना विकसित करके गंगा नदी के 10 किलोमीटर के भीतर बाढ़ वाले क्षेत्रों की गणना करने के लिए काम कर रहा है। यह गंगा नदी की सफाई और निरंतर प्रवाह को बनाए रखने में योगदान देगा।

उन्होंने कहा कि शहरी आर्द्रभूमि का प्रबंधन करने को लेकर एनएमसीजी स्थानीय हितधारकों के लिए 'शहरी-आर्द्रभूमि प्रबंधन दिशानिर्देश'विकसित करने के वास्ते योजना तथा वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) के साथ काम कर रहा है। मिश्रा ने कहा कि एनएमसीजी किसानों की आय बढ़ाने, पानी के उपयोग में सुधार और फसल विविधीकरण के लिए गंगा नदी के बहाव वाले राज्यों में जैविक खेती और कृषि वानिकी को बढ़ाने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ काम कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# खुद के दीयों से जगमग करें दीवाली, मिट्टी से बने दीये स्वरोजगार के लिए अच्छा विकल्प

**नई दिल्ली।** इस बार अयोध्या में सरयू के तट पर मनाई जाने वाली दीवाली के मौके पर दीयों का कीर्तिमान बनाने की चर्चा है। रामलला की धरती इस बार छत्तीसगढ़ के गोबर से बने दीयों से रौशन होगी। गोबर और मिट्टी से बने दीये न सिर्फ इकोफ्रेंडली होते हैं, बल्कि स्वरोजगार के लिए भी एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि पाटरी आज सिर्फ मिट्टी के दीयों तक ही सीमित नहीं है। मिट्टी से तमाम तरह की कलाकृतियां बनाकर अच्छी कमाई की जा सकती है। आइये जानें आप भी पाटरी में अपना स्वरोजगार किस तरह आगे बढ़ा सकते हैं...

दिल्ली के पीतमपुरा की सेरेमिक आर्टिस्ट दीप्ति गुप्ता पिछले 17-18 साल से पाटरी और सेरेमिक के सामान बनाने के साथ-साथ बच्चों, किशोरों से लेकर तमाम प्रोफेशनल्स को इसकी ट्रेनिंग भी देती हैं। उनकी यह हाबी ही आज उनका फुलटाइम करियर बन चुका है, जिससे वह हर महीने डेढ़ से दो लाख रुपये कमाती भी हैं। वह बताती हैं कि शुरू से ही उनका आर्टिस्टिक चीजों की तरफ रुझान था। वह कामर्स बैकग्राउंड से थीं, लेकिन इसी में कुछ करना चाहती थीं। शुरुआत में उन्होंने बहुत-सी आर्टिस्टिक चीजों में हाथ आजमाया, लेकिन उन्हें उसमें मजा नहीं आया। फिर उन्होंने मिट्टी से बनने वाली चीजों (पाटरी) में कुछ करने का मन बनाया। लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि शौकिया तौर पर लिया गया उनका यह फैसला आज उन्हें करियर की बुलंदियों पर पहुंचा देगा। मिट्टी और सेरेमिक से बनें उनके आइटम जैसे प्लांटर, प्लैटर, मग, बोल, वाल पीसेज या शो पीसेज लोगों को इतने पसंद हैं कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा दूर-दूर के शहरों से भी वे अपने घरों में सजाने और इस्तेमाल के लिए इन्हें मंगाना पसंद करते हैं। बहुत से लोग अपनी डिमांड के अनुसार इन आइटम्स को कस्टमाइज भी कराते हैं। दीप्ति

बताती हैं कि जब पाटरी में उनकी दिलचस्पी जगी तो उन्होंने इसके बारे में और ज्यादा पढ़ने और सीखने की कोशिश शुरू की। इसके लिए कुछ कोर्स भी किए और फिर अपने घर के ही एक कमरे में अपना एक स्टूडियो खोला। शुरू में उन्होंने मिट्टी से बने दीये और शो पीसेज बनाने शुरू किए। जब लोगों का अच्छा रिस्पांस मिलने लगा, तो वह इसे उनकी मांग के अनुसार बनाने लगीं। इंटरनेट मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, वाट्सएप और यूट्यूब आदि) के जरिये अब वह लोगों को न सिर्फ अपने प्रोडक्ट के बारे जागरूक करती हैं, बल्कि बच्चों, किशोरों, हाउसवाइफ, प्रोफेशनल्स और आर्ट टीचर्स को भी इसे सीखने के लिए प्रेरित करती हैं, उन्हें उनकी सुविधानुसार सिखाती भी हैं।

**यहां से सीखें**-पाटरी और सेरेमिक के आइटम्स की मांग आजकल कमोबेश हर छोटे-बड़े शहर में है। इसलिए ये हर शहर, कस्बे, गांव में बन भी रहे हैं और तमाम पोर्टल्स, शोरूम्स या एग्जिविशंस में डिजाइनर्स दीयों और सजावटी वस्तुओं को भी देखा जा सकता है। यदि आप भी मिट्टी और गोबर से बनने वाले दीयों और लुभावने डिजाइनर सामानों में दिलचस्पी रखते हैं और इसे सीख कर इसमें आगे बढ़ना चाहते हैं, तो अपने शहर में जहां भी ये बनते हैं या जो लोग इसकी ट्रेनिंग दे रहे हैं, वहां से इसे सीख सकते हैं। दीप्ति भी अपने स्टूडियो में लोगों को सिखाने के लिए इंट्रोडक्टरी कोर्स (एक माह), बेसिक कोर्स (तीन माह), एडवांस कोर्स (छह से 12 माह) के रूप में चार साल के बच्चे से लेकर युवाओं, गृहणियों और कामकाजी पेशेवर्स को इसकी ट्रेनिंग देती हैं, जिसमें वह चाक, भट्ठी, क्ले तैयार करने की विधि से लेकर तमाम चीजें लोगों को बनाना सिखाती हैं। वैसे, आप चाहें तो यूट्यूब के जरिये भी पाटरी और सेरेमिक्स में अपनी स्किल बढ़ा सकते हैं।

**कमाई के अच्छे मौके**

पाटरी और सेरेमिक से डेकोरेटिव आइटम बनाने की कला सीखकर आप कई तरह से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसके आइटम बनाकर बेचने के अलावा, एग्जिबिशन आदि लगा सकते हैं, जहां लोगों को आपके आइटम की जानकारी होने पर ज्यादा से ज्यादा लोग इसे खरीदने के लिए आगे आ सकते हैं। इसके अलावा, पाटरी आर्ट सीखकर आप भी दीप्ति गुप्ता की तरह अपना स्टूडियो खोल सकते/सकती हैं, जहां इस तरह के आइटम बनाकर बेचने के अलावा, बच्चों, किशोरों या पेशेवरों को इसे सिखा सकते हैं।

## दिल्ली-यूपी, हरियाणा और मुंबई में बढ़ रहा प्रदूषण

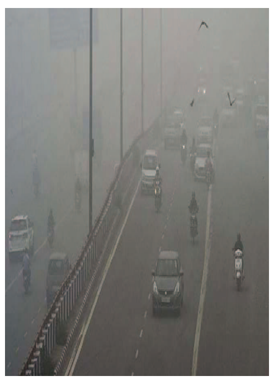

**नई दिल्ली।** देश में सर्दियों के आगमन के साथ ही प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बदलते मौसम के साथ ही प्रदूषण का स्तर बढ़ता जा रहा है। राजधानी दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है। इसके अलावा मुंबई, हरियाणा, में स्थित कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते लोगों की परेशानी अब धीरे-धीरे बढ़ने वाली है। तो आइए जानते हैं कि किन राज्यों में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच गया है। राजधानी दिल्ली में स्थित आनंद विहार में भी प्रदूषण बढ़ रहा है। यहां पर एयर क्वालिटी इंडेक्स बेहद की खराब श्रेणी में पहुंच गया है। आज सुबह 7 बजे तक एयर क्वालिटी इंडेक्स 322 दर्ज किया गया है।

वहीं दिल्ली में स्थित आइटीओ पर भी लगातार स्थिति बिगड़ रही है। यहां पर बेहद खराब श्रेणी में एयर क्वालिटी इंडेक्स पहुंच गया है। सुबह के वक्त 267 तक एयर क्वालिटी इंडेक्स रहा।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। धीरे-धीरे स्थिति यहां पर नियंत्रण से बाहर जा रही है। सुबह 219 एयर क्वालिटी इंडेक्स यहां पर दर्ज हुआ है।

यूपी में भी हवा लगातार जहरीली हो रही है। यहां पर स्थिति ताज नगरी, आगरा में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में दर्ज हुआ है। यहां पर 252 के करीब एयर क्वालिटी इंडेक्स दर्ज हुआ है।

## पीएम केयर्स फंड को सरकारी घोषित करने की मांग पर 18 नवंबर को होगी सुनवाई

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पीएम केयर्स फंड (प्रधानमंत्री नागरिक सहायता और आपात राहत कोष) से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख तय की। पहले यह मामला 30 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल व न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने याचिकाओं की जल्द सुनवाई की मांग के आवेदनों को स्वीकारते हुए जल्द सुनवाई का निर्देश दिया। सम्यक गंगवाल की तरफ से दायर याचिका में पीएम केयर्स फंड को राजकीय फंड घोषित करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता की दलील है कि इसका गठन पीएम ने किया है, इसकी वेबसाइट पर सरकारी वेबसाइट की तरह डोमेन नाम में डॉट जीओवी इस्तेमाल होता है, वेबसाइट पर प्रधानमंत्री की

तस्वीर सहित अन्य राजकीय चिह्नों का इस्तेमाल किया गया है। अगर अदालत यह पाती है कि फंड राजकीय नहीं है, तो इसकी वेबसाइट के डोमेन नेम में लगा डॉट जीओवी, पीएम की तस्वीर और अन्य राजकीय चिह्नों को इससे हटाया जाना चाहिए। वहीं, पीएमओ ने याचिका के जवाब में दायर हलफनामे में कहा कि पीएम केयर्स फंड भारत सरकार का फंड नहीं है और यह राशि भारत के समेकित कोष में नहीं जाती है। बल्कि पीएम केयर्स ट्रस्ट एक चैरिटेबल ट्रस्ट है।

## केंद्र के खिलाफ कड़ी टिप्पणी-पूर्व मुख्य सचिव के मामले में पूर्वाग्रह की बू आ रही है

**कोलकाता।** कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय की याचिका पर शनिवार को केंद्र सरकार के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की। पूर्व अधिकारी ने अपने खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) की कोलकाता बेंच में चुनौती दी थी, जिसे सुनवाई के लिए दिल्ली बेंच में ट्रांसफर कर दिया गया था।

अलपन ने अपने केस के इस तरह कोलकाता से दिल्ली ट्रांसफर किए जाने को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती थी। इसी मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य और रबिंद्रनाथ सामंत ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अपनाई गई पूरी प्रक्रिया से पूर्वाग्रह की बू आ रही है। इसके साथ ही पीठ ने केस को ट्रांसफर करने के कैट के आदेश को रद्द कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में इस साल 28 मई को चक्रवात 'यास' को लेकर हुई बैठक में बंगाल के मुख्य सचिव रहते हुए भी अलपन के शामिल नहीं होने पर केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी। बाद में उन्हें दिल्ली में डीओपीटी में

रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें रिलीव करने से मना कर दिया। इस बीच 31 मई को बंदोपाध्याय रिटायर हो गए। लेकिन डीओपीटी ने उनके खिलाफ कार्यवाही जारी रखी जिसके कारण उन्हें रिटायरमेंट से जुड़े लाभ नहीं मिल पाए। अलपन ने डीओपीटी की कार्रवाई को कैट के कोलकाता पीठ में चुनौती दी मगर बाद में केंद्र सरकार के अनुरोध कैट ने 21 अक्तूबर को इस मामले को कैट के दिल्ली स्थिति प्रिंसिपल बेंच में ट्रांसफर कर दिया और अलपन को निर्देश दिया गया कि वो 22 अक्तूबर को दिल्ली में बेंच के सामने पेश हों। अलपन ने इस फैसले को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी। जस्टिस भट्टाचार्य और सामंत ने मामले की सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि प्रिंसिपल बेंच बिना मामले को देखे ही आश्चर्यजनक रूप से ये आभास कर लिया कि मामले से जुड़े अधिकांश गवाह और सुबूत दिल्ली में हैं। जबकि केस के दाखिल होने से पहले जजों की पीठ के लिए आने वाले गवाहों और सुबूतों के बारे में जानना असंभव है। पीठ ने केस ट्रांसफर के आदेश को खारिज करते हुए कैट की कोलकाता बेंच को इस मामले का जल्द निपटारा करने का निर्देश दिया।

## अब नहीं होगा डीजल बदलने का झंझट, दिल्ली-गुवाहाटी रेल ट्रैक का 100 फीसदी विद्युतीकरण

**नई दिल्ली।** हरित परिवहन की दिशा में आगे बढ़ते हुए रेलवे दिल्ली-गुवाहाटी के बीच 100 फीसदी विद्युतीकरण कर दिया है। इससे कामाख्या जाने वाले तीर्थ यात्री कम समय में बगैर बाधा के दिल्ली से तीर्थ स्थल पहुंच सकेंगे। पूर्वोत्तर जाने वाली ट्रेन को अब पश्चिम बंगाल के कूचविहार में डीजल इंजन बदलने का झंझट समाप्त हो जाएगा।

रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि पूर्वोत्तर अभी तक किसी भी राज्य के लिए सीधी ऐसी ट्रेन नहीं थी जो पूरी तरह से विद्युत से संचालित थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली या अन्य जगहों से आने वाली ट्रेन को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार पर विद्युत इंजन हटाकर डीजल इंजन लगाने की जरुरत नहीं होगी। क्योंकि दो हजार किलोमीटर रेल मार्ग को 100 फीसदी विद्युतीकरण कर

दिया गया है। विद्युत से चलने वाली दिल्ली-कामाख्या (ब्रह्मपुत्र) मेल-एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होकर गुरुवार को गुवाहटी के कामाख्या स्टेशन पहुंची। इसके पूर्व इस रेल मार्ग पर ट्रेन ट्रायल किया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि विद्युतीकरण होने से इंजन बदलने के कारण 45 मिनट से अधिक समय बर्बाद होता था। रेल यात्रियों और तीर्थ यात्रियों का यह समय बचेगा और तीर्थ स्थल पर निर्बाध पहुंच सकेगा।

## पहले रिफंड, अब बैगेज और उड़ान; क्षमता के साथ ही बढ़ने लगीं हवाई यात्रियों की शिकायतें

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना महामारी के बाद हवाई यात्रा की सीटों की बुकिंग की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी हो रही है तो उसी हिसाब से यात्रियों की शिकायतें भी बढ़ने लगी हैं। पिछले कुछ महीनों में जहां सिर्फ रिफंड से संबंधित शिकायतें ही ज्यादा रहती थीं, सितंबर के आंकड़ों में इनमें बैगेज और उड़ान में आई दिक्कत से जुड़ी पाई गईं।

डीजीसीए के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, आई कुल शिकायतों में से 85 फीसदी रिफंड, बैगेज और उड़ान संबंधी दिक्कतें को लेकर रहीं। इनमें रिफंड को लेकर 29, बैगेज को लेकर 24 और उड़ान संबंधी दिक्कतों को लेकर 28.4 फीसदी शिकायतें रहीं। इसके अलावा 7 फीसदी शिकायतें ग्राहक सेवाओं और 6

फीसदी स्टाफ के व्यवहार को लेकर भी दर्ज की गई हैं। जुलाई और अगस्त में रिफंड से जुड़ी शिकायतों का आंकड़ा 40 फीसदी के ऊपर हुआ करता था। सितंबर में शिकायतों के मामले में एयर इंडिया सबसे ऊपर रही है। वहीं स्पाइस जेट शिकायतों के मामले में दूसरे नंबर पर रही हैं। विमाननन मंत्रालय ने देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद से सीटों की बुकिंग की क्षमता को 01 जून से 50 फीसदी कर दिया था। उसके बाद हालात सुधरने के साथ-साथ उसमें बदलाव किया जाने लगा। 12 अगस्त को इस सीमा को बढ़ाकर 72.5 फीसदी और फिर 18 सितंबर को 85 फीसदी कर दिया गया। वहीं 18 अक्तूबर के बाद से इसे बढ़ाकर 100 फीसदी कर दिया गया है।

**मौसम बनी उड़ानें रद्द करने की बड़ी वजह**

डीजीसीए के आंकड़ों में ये भी बताया गया है कि सितंबर महीने में उड़ानें रद्द होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मौसम रहा है। कुल रद्द उड़ानों में से मौसम की वजह से 37 फीसदी, वाणिज्यिक वजहों से 30 फीसदी उड़ानें रद्द हुई हैं

# वैक्सीन लगवाना ही कोरोना के खिलाफ अंतिम उपाय नहीं, दोनों डोज के बाद भी खतरा बरकरार

**नई दिल्ली।** कोरोना रोधी टीके की दोनों खुराक लगवा चुके लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। 'द लांसेट' की ताजा शोध रिपोर्ट से पता चला है कि पूर्ण टीकाकरण के बाद लोग ना केवल संक्रमित हो रहे हैं, बल्कि ऐसे लोगों से परिवार के अन्य सदस्यों के संक्रमित होने का खतरा 38 फीसदी रहता है।रिपोर्ट के मुताबिक संक्रमण फैलाने के लिहाज से टीकारहित और टीकायुक्त, दोनों ही तरह के लोग बराबर हैं। हालांकि परिवार के अन्य लोगों को भी टीके की दोनों खुराक लगाई जा चुकी है तो उनमें संक्रमण फैलने का खतरा 38 से घटकर 25 फीसदी रह जाता है। शोधकर्ताओं ने एक साल के अध्ययन के बाद यह नतीजा निकाला। अध्ययन के दौरान लंदन और बोल्टन में सितंबर 2020 से लेकर सितंबर 2021 तक कुल 440 परिवारों की पीसीआर जांच कराई गई। इसमें पाया गया कि दोनों खुराक लगवा चुके लोगों के संक्रमित होने की आशंका कम तो रहती है, लेकिन टीके संक्रमण से पूरी सुरक्षा नहीं प्रदान करते।

शोध में शामिल इंपीरियल कॉलेज लंदन के प्रोफेसर अजित लालवानी ने कहा-टीके की दोनों खुराक लगवा चुके लोग भी संक्रमित हो रहे हैं, इसलिए टीकारहित लोगों के लिए टीका लगवाना बेहद जरूरी हो जाता है, खासकर ठंड

में लोग ज्यादातर समय घरों में रहते हैं इसलिए भी टीका लगवाना जरूरी हो जाता है। सहशोधकर्ता डॉ. अनिका सिंगानयागम कहती हैं कि इस शोध से यह भी साफ हो गया है कि कोरोना के नए वेरिएंट या डेल्टा वेरिएंट से संक्रमण क्यों फैल रहा है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के बावजूद लोगों को सामाजिक दूरी, मास्क पहनने, बार-बार साबुन से हाथ धोने समेत अन्य सावधानियों को अपनाना चाहिए।

**टीका लगवा चुके लोगों से भी सावधानी जरूरी**- रिपोर्ट में कहा गया है कि टीकारहित लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि टीकायुक्त लोगों से उनमें संक्रमण नहीं फैल सकता। यानी टीकायुक्त लोगों के बीच रहने पर भी सामाजिक दूरी बनाने, मास्क लगाने, बार-बार साबुन से हाथ धोने समेत अन्य सावधानियों को अपनाना जरूरी है।

**दोनों खुराक लेने का फिर क्या लाभ**- संक्रमित होने के खतरे के बावजूद टीके की दोनों खुराक लगवाने के कई लाभ हैं। टीका लगवा चुके व्यक्ति को संक्रमण की स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने की नौबत नहीं आती। लेकिन कोरोना संक्रमण से दूर रखने के लिहाज से टीका अपेक्षाकृत कम प्रभावी है। खासकर वायरस के डेल्टा वेरिएंट से बहुत से टीकायुक्त लोग संक्रमित हो चुके हैं। इसके अलाव टीकायुक्त व्यक्ति संक्रमण से अपेक्षाकृत जल्द उबर जाता है, लेकिन संक्रमण का चरम स्तर टीकायुक्त और टीकारहित लोगों में एक जैसा होता है। यही वजह है कि टीकायुक्त और टीकारहित लोग संक्रमण फैलाने के लिहाज से एक जैसे हैं।

**टीके का असर समय के साथ घट जाता**- रिपोर्ट के मुताबिक टीके का असर समय के साथ घटता जाता है इसलिए भी लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं। यही वजह है कि अब बूस्टर डोज की जरूरत पड़ रही है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com